www.bharatsamvad.live

R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 35.c

28.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 95.770g

चांदी 78.800 kg

सोशल मीडिया पर भारत संवाद

https://x.com/BharatSamvad

www.facebook.com/bharatsamvad.in

www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n

E-Paper bharatsamvad.live

2 पश्चिम एशिया में भारत की बढ़ती पैठ, मोदी के सऊदी अरब दौरे से बढ़ेगा साझेदारी का दायर

दहेज वाली गाड़ी का किराया न देने पर शादी टूटी 04

वर्ष :08 | अंक :301 | मुंबई ,बुधवार , 23 अप्रैल , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में गर्मी ने तोड़ा छह साल का रिकॉर्ड, लोगों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है। दिल्ली में गर्मी का प्रकोप लोगों को परेशान करने लगा है। दोपहर में लोगों का घर से बाहर निकलना काफी मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार का दिन अप्रैल महीने का बीते छह वर्षों का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान भी 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य तापमान से 3.5 डिग्री अधिक है। इससे पहले न्यूनतम तापमान वर्ष 2022 में इस स्तर पर पहुंचा था मगर वर्ष 2019 के बाद ये तापमान सबसे अधिक स्तर पर पहुंचा है। अप्रैल में सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस वर्ष का ये तापमान 3.6 डिग्री अधिक है। मौसम विभाग के अधिकारियों की मानें तो आया नगर में अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रिज में तापमान 41.9 डिग्री, पालम में 41.1 डिग्री, लोधी रोड में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। सोमवार को आर्द्रता 59 प्रतिशत और 15 प्रतिशत के बी दर्ज हुई। इस कारण लोगों में बेचैनी की स्थिति भी बनी रही।

ईडी का बड़ा एक्शन, 573 करोड़ की सिक्योरिटीज बॉन्ड व डीमैट खाते जब्त किए

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में छापेमारी कर 3.29 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की, 573 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते फ्रीज किए। जांच एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए। 16 अप्रैल को जांच एजेंसी के रायपुर जोनल कार्यालय ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर (ओडिशा) स्थित विभिन्न परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में शामिल संस्थाओं में विकास इकोटेक लिमिटेड, जेटीएल इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड (आईआईटीएल), ईजमाईट्रिप और अन्य शामिल थे। ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने ताजा जब्ती पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उसका महादेव बेटिंग ऐप से कोई संबंध नहीं है। ईजमाईट्रिप के प्रवक्ता ने कहा हालांकि ईजमाईट्रिप का महादेव बेटिंग ऐप या किसी अन्य सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के साथ कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं है, फिर भी हम जांच के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सूत्रों ने बताया कि विकास इकोटेक के परिसर में बड़ी मात्रा में नकदी, बॉन्ड और प्रतिभूतियां पाई गईं

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला, गोलीबारी में 26 मौतें, नेपाल-यूएई के 2 टूरिस्ट मारे गए

पहलगाम आतंकी हमले पर पीएम मोदी ने अमित शाह से की बात, दिया आदेश

आतंकी हमला

यह आतंकी हमला ऐसे समय हुआ है जब कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि देखी जा रही है. साथ ही अमरनाथ तीर्थयात्रा 3 जुलाई से शुरू होने वाली है. देश भर से लाखों तीर्थयात्री दो मार्गों से अमरनाथ गुफा मंदिर की यात्रा करते हैं - दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम मार्ग और गंदेरबल जिले में बालटाल मार्ग.

एजेंसी

श्रीनगरः जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकी हमला हुआ है. अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को आतंकियों ने यहां घूमने आए पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसमें 26 पर्यटक की मौत हो गई और एक दर्जन पर्यटक घायल हो गए. पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी. हमले के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया. जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया. अधिकारियों ने बताया कि हमला बैसरन नामक घास के मैदान में हुआ, जहां सिर्फ पैदल या घोड़ों के जरिये ही पहुंचा जा सकता है. यहां आज सुबह पर्यटकों का एक समूह घूमने आया था.

एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, बंदूकधारियों ने पर्यटकों पर नजदीक से गोलियां चलाईं, जिससे कई लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि एक हेलिकॉप्टर के जरिये घायलों को निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया. उन्होंने बताया कि कुछ घायलों को स्थानीय लोगों ने घोड़ों के जरिये घास के मैदान से नीचे उतारा.

पहलगाम अस्पताल के एक डॉक्टर ने बताया कि 12 घायल पर्यटकों को वहां भर्ती कराया गया है और सभी की हालत स्थिर है.

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, एक महिला ने फोन पर बताया कि हमले में उसके पति के सिर में गोली लगी है, जबकि सात अन्य लोग भी हमले में घायल हुए हैं. महिला ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की गुहार लगाई।

आतंकियों को बख्शा नहीं जाएगा : प्रधानमंत्री मोदी

पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक मंसूबा कभी कामयाब नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।

राहुल गांधी कांग्रेस

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में पर्यटकों के मारे जाने और कई लोगों के घायल होने की खबर बेहद निंदनीय और दिल दहलाने वाली है। आतंक के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। सरकार जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य होने के खोखले दावों के बजाय अब जवाबदेही लेते हुए ठोस कदम उठाए, ताकि आगे ऐसी बर्बर घटनाएं न होने पाएं।

हमले के बाद रामबन से श्रीनगर लौटे सीएम उमर

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से स्तब्ध हैं. उन्होंने इसे जघन्य कृत्य बताया है. सीएम उमर आतंकवादी हमले के बाद रामबन से श्रीनगर लौट आए हैं. उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, मृतकों की संख्या का अभी भी पता लगाया जा रहा है, इसलिए मैं उन विवरणों में नहीं जाना चाहता. स्थिति स्पष्ट होने पर उन्हें आधिकारिक रूप से सूचित किया जाएगा. कहने की जरूरत नहीं है कि यह हमला हाल के वर्षों में नागरिकों पर किए गए किसी भी हमले से कहीं ज्यादा बड़ा है.

सऊदी अरब पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, एयरपोर्ट पर स्वागत में दी गई 21 तोपों की सलामी

पीएम मोदी के हवाई अड्डे पर उतरते ही सऊदी सरकार के वरिष्ठमंत्रियों ने उनकी अगवानी की। उनका स्वागत 21 तोपों की सलामी से किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज शाम यहां सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ, देश की अपनी यात्रा के दौरान भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की दूसरी नेताओं की बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे।

एजेंसी

सऊदी फाइटर जेट्स ने एयरस्पेस में पीएम को सुरक्षा दी

नयी दिल्ली / जेद्दा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की दो दिन की यात्रा पर आज दोपहर जेद्दा पहुंचे। पीएम मोदी का विमान जेद्दा के हवाई अड्डे पर स्थानीय समयानुसार करीब पौने एक बजे (भारतीय समयानुसार सवा तीन बजे) उतरा। सऊदी अरब की शाही सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री के प्रति विशेष सम्मान का इजहार के रूप में भारतीय विमान के सऊदी अरब के वायुक्षेत्र में प्रवेश करने पर शाही सऊदी वायुसेना के एफ-15 विमान एस्कॉर्ट करने के लिए भेजे।

पीएम मोदी के यहां पहुंचने से पहले अरब न्यूज में प्रसारित मोदी के एक साक्षात्कार में भारत एवं सऊदी अरब के संबंधों को असीम संभावनाओं से भरा बताया और अस्थिरता से भरे विश्व में इन द्विपक्षीय संबंधों को स्थायित्व का स्तंभ करार दिया।पीएम मोदी रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा, आज, मैं क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर सऊदी साम्राज्य की दो दिवसीय राजकीय यात्रा शुरू कर रहा हूं। भारत सऊदी अरब के साथ अपने लंबे और ऐतिहासिक संबंधों को गहराई से महत्व देता है जिन्होंने हाल के वर्षों में रणनीतिक गहराई और गति हासिल की है। साथ में, हमने रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र सहित पारस्परिक रूप से लाभकारी और ठोस साझीदारी विकसित की है।

संसद ही सर्वोच्च, इससे ऊपर कोई नहीं...

आलोचना के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान

धनखड़ ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र के लिए हर नागरिक की अहम भूमिका होती है। मुझे यह बात समझ से परे लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक या सजावटी हो सकते हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान में निर्धारित भारतीय सरकार के ढांचे के भीतर न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र पर फिर से सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि संसद (यानी विधानमंडल) सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि (यानी सांसद) संविधान के 'अंतिम स्वामी' हैं। उनसे ऊपर कोई प्राधिकारी नहीं हो सकता। मंगलवार सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर अपने पिछले हमलों की आलोचना पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि किसी संवैधानिक पदाधिकारी (खुद का जिक्र करते हुए) द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित द्वारा निर्देशित होता है।जगदीप धनखड़ ने कहा कि आपातकाल लगाने वाले प्रधानमंत्री को 1977 में जवाबदेह ठहराया गया था। इसलिए, इस बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए - संविधान लोगों के लिए है और यह इसकी सुरक्षा का भंडार है निर्वाचित प्रतिनिधि। वे संविधान की सामग्री के बारे में अंतिम स्वामी हैं। संविधान में संसद से ऊपर किसी भी प्राधिकारी की कल्पना नहीं की गई है। संसद सर्वोच्च है और ऐसी स्थिति में, मैं आपको बता दूं, यह देश के प्रत्येक व्यक्ति जितना ही सर्वोच्च है।

रूह अफजा को लेकर बाबा रामदेव के बयान पर हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

कहा- बयान अक्षम्य, अंतरात्मा को झकझोरने वाला

एजेंसी

नई दिल्लीः दिल्ली हाईकोर्ट ने पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव को उनके रुह अफजा को 'शरबत जिहाद' कहने के बयान पर आड़े हाथों लिया है. जस्टिस अमित बंसल की बेंच ने कहा की बाबा रामदेव के बयान ने कोर्ट की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और ये अक्षम्य है.

पांच दिन का दिया समयः पतंजलि और रामदेव का प्रतिनिधित्व करते हुए वकील नायर ने कहा, उनके मुवक्किल किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हैं. इस पर कोर्ट ने कहा कि उपरोक्त रुख हलफनामे पर आना चाहिए. उन्होंने न्यायालय को सूचित किया कि सभी विवादित विज्ञापन, चाहे प्रिंट हो या वीडियो, पतंजलि और रामदेव द्वारा हटा लिए जाएंगे. तब न्यायालय ने रामदेव से हलफनामा दाखिल करने को कहा कि वह भविष्य में कोई भी ऐसा बयान, विज्ञापन या सोशल मीडिया पोस्ट जारी नहीं करेंगे, जिससे हमदर्द को परेशानी हो. न्यायमूर्ति बंसल ने रामदेव को हलफनामा दाखिल करने के लिए पांच दिन का समय दिया. मामले की अगली सुनवाई 1 मई को की जाएगी.

बाबा रामदेव के विवादित बयान पर अब दिल्ली हाईकोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई है. हमदर्द नेशनल फाउंडेशन इंडिया की तरफ से याचिका दायर की गई.

पहले भी लगाई थी फटकारः उन्होंने आगे कहा, बाबा रामदेव की ओर से जारी किए गए वीडियो तुरंत हटाए जाने चाहिए. बाबा रामदेव ने इससे पहले भी एक कंपनी पर इसलिए आरोप लगाया था कि उसका मालिक मुस्लिम है।

यूपीएससी के नतीजे घोषित, प्रयागराज की शक्ति दुबे बनीं टॉपर, दूसरे नंबर पर हर्षिता गोयल

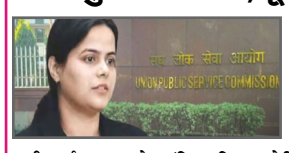

एजेंसी

नयी दिल्ली। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2024 के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए हैं। शक्ति दुबे यूपीएससी सीएसई 2024 के टॉपर बने हैं, दूसरे स्थान पर हर्षिता गोयल और तीसरे स्थान पर डोंगरे अर्चित पराग हैं। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और अन्य केंद्रीय सेवाओं (समूह 'ए' और 'बी') सहित प्रतिष्ठित सेवाओं के लिए कुल 1,009 उम्मीदवारों की सिफारिश की गई है।

गुजरात में प्लेन क्रैश, ट्रेनी पायलट की मौत

गर्मी के कारण नहीं थी भीड़...हो सकता था बड़ा हादसा

गुजरात के अमरेली में दोपहर करीब 12:30 बजे एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसे में प्रशिक्षु पायलट की मौत हो गई.

एजेंसी

अमरेलीः गुजरात के अमरेली जिले में मंगलवार दोपहर एक निजी विमानन अकादमी का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. हादसे के बाद विस्फोट हुआ और उसमें आग लग गई. इस घटना में प्रशिक्षु पायलट अनिकेत महाजन की मौत हो गई. दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों सहित अग्निशमन विभाग के कर्मियों की एक टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया.

विमान जलकर खाक हो गयाः अमरेली के पुलिस अधीक्षक संजय खराट ने बताया कि विमान दोपहर करीब 12:30 बजे अमरेली शहर के गिरिया रोड इलाके में एक आवासीय इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. जिससे प्रशिक्षु पायलट की मौके पर ही मौत हो गई. पायलट अकेले उड़ान भर रहा था. दुर्घटना में कोई और घायल नहीं हुआ. विमान जलकर खाक हो गया.

जांच के आदेशः खराट ने बताया कि विमान ने अमरेली हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी. शास्त्री नगर इलाके के पास दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद विमान में आग लग गई और वह लपटों में घिर गया. उन्होंने कहा कि दिल्ली स्थित एक विमानन अकादमी अमरेली हवाई अड्डे से पायलट प्रशिक्षण प्रदान करती है. एसपी ने कहा कि स्थानीय पुलिस ने दुर्घटना के सटीक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है.

अग्निशमन टीम ने आग पर पाया काबूः अग्निशमन अधिकारी एससी गढ़वी ने कहा कि विमान दुर्घटना और विमान में आग लगने की सूचना मिलने पर स्थानीय अग्निशमन दल की चार टीमें शास्त्रीनगर पहुंचीं.

बेटिंग ऐप मामला:ईडी का बड़ा एक्शन

573 करोड़ की सिक्योरिटीज बॉन्ड व डीमैट खाते जब्त किए

16 अप्रैल को जांच एजेंसी के रायपुर जोनल कार्यालय ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर (ओडिशा) स्थित विभिन्न परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में शामिल संस्थाओं में विकास इकोटेक लिमिटेड, जेटीएल इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड (आईआईटीएल), ईजमाईट्रिप और अन्य शामिल थे।

एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में छापेमारी कर 3.29 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की, 573 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की प्रतिभूतियां, बांड और डीमैट खाते फ्रीज किए। जांच एजेंसी ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड भी जब्त किए। 16 अप्रैल को जांच एजेंसी के रायपुर जोनल कार्यालय ने महादेव बेटिंग ऐप मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और संबलपुर (ओडिशा) स्थित विभिन्न परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। तलाशी में शामिल संस्थाओं में विकास इकोटेक लिमिटेड, जेटीएल इंडस्ट्रीज, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट लिमिटेड (आईआईटीएल), ईजमाईट्रिप और अन्य शामिल थे।

निशाना वक्फ पर बहस के बीच पीएम मोदी पर ओवैसी का निशाना

'सऊदी में या हबीबी कहकर मिलेंगे और यहां...'

एजेंसी

नयी दिल्ली। एआईएमआईएम अध्यक्ष और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने वक्फ संशोधन अधिनियम की तीखी आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि यह वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करने के बजाय भूमि हड़पने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम का पूरे भारत में मुस्लिम संगठनों द्वारा व्यापक रूप से विरोध किया गया है, जबकि सरकार समुदाय से व्यापक समर्थन के दावों के विपरीत है। ओवैसी ने सरकार पर एक प्रचार पुस्तिका के माध्यम से जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया, जिसमें उनके अनुसार तथ्यात्मक अशुद्धियाँ हैं। ओवैसी ने धारा 40 की व्याख्या और आवेदन में विसंगतियों को उजागर किया, वक्फ बोर्डों में महिलाओं को शामिल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की ईमानदारी पर सवाल उठाया और दिल्ली की 123 वक्फ संपत्तियों से जुड़े अनसुलझे मुद्दों की ओर इशारा किया। मुस्लिम महिलाओं को सशक्त बनाने के सरकार के दावे को खारिज करते हुए ओवैसी ने कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा की हिरासत को चुनिंदा दमन का सबूत बताया। उन्होंने कहा, आप मुस्लिम महिलाओं के उत्थान का दावा नहीं कर सकते जबकि अपनी आवाज उठाने वालों को जेल में डाल रहे हैं। लोकसभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर हैं, जहां वे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिलेंगे और गर्मजोशी से 'या-हबीबी, या-हबीबी' जैसे अभिवादन का आदान-प्रदान करेंगे। भारत लौटने पर वे लोगों से मुसलमानों को उनके पहनावे से पहचानने का आग्रह करेंगे। उन्होंने कहा कि 2013 वक्फ बिल संसद के दोनों सदनों में सर्वसम्मति से पारित हुआ। शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के अनुसार न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका तीनों स्वतंत्र हैं। अगर सरकार अपनी शक्तियों या संविधान के किसी अनुच्छेद का दुरुपयोग करती है तो न्यायपालिका हस्तक्षेप करेगी। इसके अलावा हम कहां जाएंगे? ओवैसी ने सरकार द्वारा वक्फ से जुड़े विवादों के उदाहरणों को खारिज करते हुए उन्हें चुनिंदा और भ्रामक बताया। उन्होंने अधिनियम के उस प्रावधान पर विशेष चिंता व्यक्त की, जो मस्जिद की मरम्मत के लिए हिंदुओं को भूमि दान करने से रोकता है, उन्होंने चेतावनी दी कि इससे अंतरधार्मिक सद्भाव पर असर पड़ सकता है उन्होंने तर्क दिया कि यह अधिनियम बोरी समुदाय के ट्रस्टों को भी खतरे में डालता है और चुनिंदा व्यक्तियों और अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाता है।

लोकसभा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर हैं, जहां वे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिलेंगे और गर्मजोशी से 'या-हबीबी, या-हबीबी' जैसे अभिवादन का आदान-प्रदान करेंगे।

'सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है बीजेपी', आम आदमी पार्टी ने सका तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि पार्टी को लोगों द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है और उन्होंने भाजपा सरकार पर निर्वाचित पार्टी के काम में बाधा डालने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा को जनता द्वारा चुनी गई सरकारों के प्रति कोई सम्मान नहीं है। वे अपने एजेंटों को राज्यपाल और उपराज्यपाल नियुक्त करते हैं जिनका एकमात्र काम समानांतर सरकार चलाना और चुनी हुई सरकार के काम में बाधा डालना है। प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि यह मामला और भी गंभीर हो गया है, क्योंकि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर बात की और बताया कि कैसे तमिलनाडु के राज्यपाल कई मामलों में गलत थे। उन्होंने आगे दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट एकमात्र ऐसी जगह है जिसे भाजपा द्वारा प्रबंधित नहीं किया जा सकता, और यह कि अदालत भाजपा की अवैध गतिविधियों का भी खुलासा करती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सुप्रीम कोर्ट के अलावा कुछ भी मैनेज कर सकती है। कक्कड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी की गैरकानूनी गतिविधियों को उजागर किया; इसने हाल ही में चुनावी बोर्ड में सरकार को बेनकाब किया और बताया कि कैसे ये बॉन्ड मनी लॉन्ड्रिंग का नतीजा थे।

प्रियंका कक्कड़ ने आगे कहा कि यह मामला और भी गंभीर हो गया है, क्योंकि हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर बात की और बताया कि कैसे तमिलनाडु के राज्यपाल कई मामलों में गलत थे।

सम्पादकीय

आदत से मजबूर राहुल, अमेरिका पहुंचते ही देश को नीचा दिखाने का किया काम

कश्मीर पर उनके एक बेजा बयान को पाकिस्तान भुना चुका है। लगता है वह देश की तरह विदेश में भी बिना सोच-समझे कुछ भी बोलने के आदी हो चुके हैं। इससे वह अपनी जगहंसाई ही कराते हैं। राहुल गांधी इसी तरह बोलते रह सकते हैं लेकिन यह समझ सकें तो बेहतर कि कुछ भी कह देने के कारण ही वह परिपक्व नेता के रूप में नहीं उभर पा रहे हैं। जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ, अमेरिका पहुंचते ही राहुल गांधी ने फिर से देश को नीचा दिखाने का काम किया। इस बार उन्होंने चुनाव आयोग को निशाने पर लेते हुए उसे समझौतावादी करार दिया। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया को संदिग्ध बताया। वह पहले भी महाराष्ट्र के नतीजों को अविश्वसनीय बता चुके हैं और अपनी ओर से उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग के जवाब की अनदेखी भी कर चुके हैं। उन्हें महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे तो हजम नहीं हो रहे, लेकिन उन्हीं दिनों हुए झारखंड के विधानसभा चुनावों पर वह कुछ नहीं कहना चाहते। इसका कारण यही है कि झारखंड में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जीत हासिल की थी। इसके पहले उन्हें हरियाणा के चुनाव नतीजे रास नहीं आए थे, लेकिन वह जम्मू-कश्मीर में सहयोगी दल नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे थे। अभी हाल में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस नेताओं ने इसका श्रेय लिया था कि उनकी पार्टी आम आदमी पार्टी को सत्ता से बाहर करने के अपने उद्देश्य में सफल रही। साफ है कि जो चुनाव नतीजे कांग्रेस के मनमाफिक नहीं रहते, वे राहुल गांधी और उनके साथियों के गले नहीं उतरते। इतना ही नहीं, वे उलटे-सीधे आरोपों के साथ सामने आ जाते हैं।हरियाणा में उन्हें ईवीएम की बैटी में गड़बड़ी दिखने लगी थी। मनचाहे चुनाव नतीजे न मिलने से राहुल गांधी का कुंठित होना समझ आता है, लेकिन आखिर उन्हें यह क्यों नहीं याद रहता कि जिन लोकसभा चुनावों के चलते वह नेता प्रतिपक्ष बने हैं, वे भी इसी चुनाव आयोग ने कराए थे? इसकी भी अनदेखी न की जाए कि राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को 99 सीटें मिलने को एक बड़ी उपलब्धि की तरह पेश किया था। विदेश यात्रा पर राहुल गांधी पहली बार ऐसा कुछ नहीं बोले, जिसने देश की छवि को मलिन करने का काम किया हो। इसके पहले वह अपनी विदेश यात्राओं के दौरान यह भी कह चुके हैं कि भारत में लोकतंत्र दम तोड़ रहा है और अमेरिका-यूरोप मौन साधे हुए हैं। वह विदेशी धरती पर यह भी कह चुके हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों और कुछ अन्य समूहों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार हो रहा है। यह बयान आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू को खूब भाया था।

आज का विचार

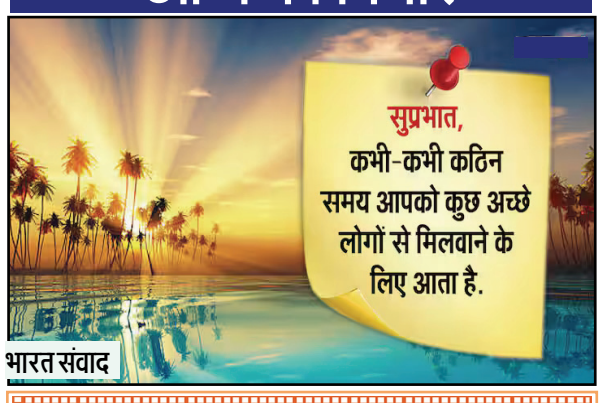

मेष राशि: दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है. आपकी दीर्घकालीन योजनाएं गति पकड़ेगी और संतान के करियर में एक अच्छा उछाल आएगा. आपके घर परिवार के सदस्यों में आपसी मनमुटाव के कारण आपका मन थोड़ा परेशान रहेगा. आप किसी विशेष व्यक्ति से मिल सकते हैं.

वृष राशि: दिन आपके लिए निवेश संबंधी मामलों में अच्छा रहने वाला है. आपको श्रेष्ठजनों का पूरा सहयोग मिलेगा, लेकिन आप किसी से धन उधार लेने से बचें, नहीं तो बाद में वह आपके लिए समस्या बन सकती है. आपको किसी विपरीत परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना होगा.

मिथुन राशि : दिन आपके लिए कोई बड़ी उपलब्धि लेकर आने वाला है. प्रशासनिक मामलों में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है. कार्यक्षेत्र में आप अपनी प्रतिभा से अच्छा प्रदर्शन करेंगे. आर्थिक दृष्टिकोण से दिन अच्छा रहेगा. प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी. आपको लाभ के अवसरों पर पूरा ध्यान देना होगा.

कर्क राशि: दिन आपके लिए किसी महत्वपूर्ण चर्चा में सम्मिलित होने के लिए रहेगा. आप अपने घर किसी नए वाहन को लेकर आ सकते हैं. सभी क्षेत्रों में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे. आपको बिजनेस में चल रही समस्याओं से छुटकारा मिलेगा और आपका व्यापार गति पकड़ेगा. आपको कोई महत्वपूर्ण सूचना सुनने को मिल सकती है.

सिंह राशि: दिन आपके लिए किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए रहेगा. आपका धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था और विश्वास बढ़ेगा. भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा. आपके कामों की अधिकारी तारीफ करेंगे, जिसके कारण आपका प्रमोशन भी हो सकता है.

कन्या राशि: दिन आपके लिए किसी काम को जल्दबाजी में करने से बचने के लिए रहेगा. आप अपने शारीरिक समस्याओं को लेकर परेशान रहेंगे, जिसमें आपको ढील देने से बचना होगा. आप अपने कामों को अनदेखा न करें और संतान से यदि आपने कोई वादा किया था, तो आपको उसे समय रहते पूरा करना होगा.

तुला राशि: आपके लिए सामान्य रहने वाला है. निजी जीवन में चल रही समस्या आपको परेशान करेंगी. साझेदारी में यदि आपने किसी काम की शुरूआत की है, तो आप उसमें पार्टनर की किसी गलत बात पर हां में हां ना मिलाएं. आपका किसी भूमि या भवन आदि को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है.

वृश्चिक राशि: दिन आपके लिए मेहनत और लगन से काम करने के लिए रहेगा. आपको किसी तर्क-वितर्क में पड़ने से बचना होगा. यदि अपने भावुकता में कोई निर्णय लिया, तो बाद में आपकी कोई समस्या खड़ी हो सकती है. आप अपने डेली रूटीन को बनाए रखें.

धनु राशि: दिन नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छा रहेगा. आप अपनी बुद्धि से काफी सारी मुश्किलों से आसानी से बाहर निकाल सकते हैं. व्यापार कर रहे लोगों के लिए कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है. आप किसी मनोरंजन के कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं. आपके खर्चे बढ़ने से आपको चिंता होगी. प्रतिस्पर्धा का भाव आपके मन में बना रहेगा.

मकर राशि: दिन आपके लिए पारिवारिक मामलों में सावधान रहने के लिए रहेगा. कामकाज की तलाश कर रहे लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है. आपको अपने निजी मामलों में धैर्य से काम लेना होगा.

कुंभ राशि: दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरपूर रहने वाला है. आपका सामाजिक गतिविधियों पर पूरा फोकस रहेगा. आप किसी मांगलिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं.

मीन राशि: दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा और आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली रहेगा. आप कार्यक्षेत्र में अपनी वाणी और व्यवहार से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पश्चिम एशिया में भारत की बढ़ती पैठ, मोदी के सऊदी अरब दौरे से बढ़ेगा साझेदारी का दायरा

> एक समय सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देश पाकिस्तान पर अधिक सामरिक भरोसा करते थे लेकिन भारत की कारगर कूटनीति से न केवल उनका रवैया बदला बल्कि कश्मीर जैसे मुद्दे पर उनके सुर बदले और वे भारत का समर्थन करने लगे। सऊदी अरब और अमीरात ने कई पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को गिरफ्तार कर भारत को सौंपा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जा रहे हैं। यह उनका तीसरा सऊदी अरब दौरा है। उनके कार्यकाल में सऊदी अरब भारत के घनिष्ठ साझेदार के रूप में उभरा है। केवल सऊदी अरब ही नहीं, पूरे खाड़ी क्षेत्र को साधने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने पुरजोर प्रयास किए हैं। अपने 11 वर्षों के कार्यकाल में उन्होंने खाड़ी देशों की 14 यात्राएं की हैं। उनकी पश्चिम की ओर देखो नीति के अंतर्गत सऊदी अरब सहित संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, बहरीन, कतर और कुवैत के साथ भारत ने प्रगाढ़ और परस्पर लाभकारी संबंधों को ध्यान से आगे बढ़ाया है। इन प्रयासों के कारण भारत आज पश्चिम एशिया में एक बड़ा खिलाड़ी बन गया। इसके चलते इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय प्रभाव अभूतपूर्व ऊंचाई छू रहा है। सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देशों के साथ भारत के रिश्ते तेल और गैस की खरीदारी के अलावा भारी संख्या में प्रवासी श्रमिकों की आपूर्ति के चलते अहम रहे हैं, पर अब इन कारकों के अलावा नए सामरिक एवं आर्थिक तत्व भी संबंधों की मजबूत कड़ी के रूप में उभरे हैं। खाड़ी क्षेत्र में सबसे शक्तिशाली देश सऊदी अरब है। क्षेत्रीय नेतृत्व की अघोषित कमान भी उसके पास है। इस्लाम के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों के संरक्षक के तौर पर वैश्विक पटल पर उसकी विशेष मान्यता है। सऊदी अरब के युवराज एवं वास्तविक शासक मोहम्मद बिन सलमान यानी एमबीएस ने 2017 में कमान संभाली है। उन्होंने विदेश नीति को

अधिक स्वायत्त एवं महत्वाकांक्षी बनाया है, ताकि वह केवल अमेरिका के सहयोगी होने से ऊपर उठकर वैश्विक भू-राजनीति में दमदार भूमिका निभा सकें। सलमान के साथ मोदी की आत्मीयता ने ही द्विपक्षीय संबंधों में हितों की पूर्ति को नए आयाम दिए हैं। सलमान ने घरेलू राजनीति में पकड़ मजबूत करने के लिए सामाजिक उदारीकरण की राह अपनाई है और कट्टरपंथी वहाबी इस्लामी संस्थानों और मौलवियों पर अंकुश लगाने के कदम उठाए हैं। घरेलू राजनीति में बड़े पैमाने पर हुए परिवर्तनकारी बदलाव की झलक विदेश नीति में भी देखने को मिली है। जहां सऊदी अरब इजरायल के काफी करीब आ गया है और पाकिस्तान सरीखी मानसिकता से परे हट रहा है। वह अंतरमहाद्वीपीय भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आइमेक) के निर्माण में भी मुख्य भूमिका निभा रहा है। मोदी के सऊदी अरब दौरे के दौरान स्थानीय युद्धों से निजात पाकर आइमेक को अमल में लाने पर गहन मंथन होने का अनुमान है। इजरायल, हमास और हिजबुल्ला के बीच जारी संघर्ष से पश्चिम एशिया में अस्थिरता और आशंका के बादल छाए हुए हैं। तमाम प्रयासों के बावजूद युद्धविराम और शांति दूर की कौड़ी बनी हुई है। आइमेक को अमली जामा पहनाने के लिए भारत समेत सभी खाड़ी देश उत्सुक हैं, पर जब तक शांति प्रक्रिया जोर नहीं पकड़ती, तब तक आगे की राह कठिन होगी। ऐसे में सऊदी अरब, अमीरात, कतर, मिस्र आदि अमेरिका के साथ जुड़ें और यदि भारत कोई साझा व्यावहारिक समाधान की पहल के साथ शांति बहाली के लिए अंशभागी होने की पेशकश करेगा तो कुछ भी असंभव नहीं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आइमेक एक अभूतपूर्व योजना है, जिससे पश्चिम एशिया में निरंतर संकट, संघर्ष और अतिवाद जैसी मूल समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। इससे ही समृद्धि एवं सद्भाव के बीज बोए जा सकते हैं। भारत आइमेक की पहली कड़ी है और इस गलियारे का केंद्रबिंदु भी। भारत-सऊदी वार्षिक द्विपक्षीय कारोबार पहले ही 43 अरब डालर तक पहुंच चुका है। सऊदी अरब भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और विश्वसनीय निवेशक है। आइमेक को अगर सर्वसम्मति से साकार किया जाता है तो आयात-निर्यात सहित विदेशी निवेश बढ़ने के भरे-पूरे आसार हैं। सऊदी अरब ने भारत में 10 अरब डालर का निवेश किया है और सलमान ने 100 अरब डालर के निवेश का वादा भी किया है। सऊदी अरब की अग्रणी तेल कंपनी अरामको के सहयोग से भारत के सामरिक पेट्रोलियम भंडार को उन्नत किया जा सकता है। विकसित भारत के सपने को संकल्प से सिद्धि तक लाने के लिए सऊदी अरब और अन्य खाड़ी के देशों से सर्वाधिक निवेश लाना और उनके संग दीर्घकालिक समझौते करना एक समझदारी भरा कदम है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो भारत और सऊदी अरब के संबंध मुख्य रूप से तेल एवं प्रवासियों पर केंद्रित हुआ करते थे, लेकिन अब द्विपक्षीय साझेदारी का दायरा विस्तारित हो रहा है। दोनों पक्षों में रक्षा क्षेत्र में खास निकटता दिख रही है। दोनों सेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास और मेलजोल बढ़ रहा है। लाल सागर में यमन के हाउती विद्रोहियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के समाधान निकालने के लिए भी रियाद और नई दिल्ली के बीच तालमेल और साझा रणनीति बन रही है। वैसे तो सऊदी अरब अमेरिकी सैन्य अड्डों और हथियारों के आधार पर अपनी सुरक्षा प्रणाली को आकार देता रहा है, मगर अब वह भारत से रक्षा सामग्री आयात भी कर रहा है। सऊदी अरब भारत से 22.5 करोड़ डालर मूल्य के हथियार खरीद रहा है। उसने भारत से उन्नत तोपों की भी मांग की है। ट्रंप प्रशासन के दौरान अमेरिकी सुरक्षा गारंटियों पर संदेह के चलते भारत जैसे किफायती रक्षा विक्रेता और विश्वस्त मित्रों से सऊदी अरब लाभान्वित होगा। एक समय सऊदी अरब और खाड़ी के अन्य देश पाकिस्तान पर अधिक सामरिक भरोसा करते थे, लेकिन भारत की कारगर कूटनीति से न केवल उनका रवैया बदला, बल्कि कश्मीर जैसे मुद्दे पर उनके सुर बदले और वे भारत का समर्थन करने लगे। सऊदी अरब और अमीरात ने कई पाकिस्तान समर्थित आतंकियों को गिरफ्तार कर भारत को सौंपा है। खुफिया सहयोग भी निरंतर बेहतर हो रहा है। सऊदी अरब-भारत बहुआयामी सामरिक साझेदारी क्षेत्रीय शांति और समृद्धि को पोषित करने वाली है। इससे पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया में रोशनी की नई किरणें नजर आएंगी।

रोजगार की तलाश में युवा देश की जनसंख्या

संजीव ठाकुर

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा। निश्चित तौर पर यह हमारे ऊपर है यह हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम किस तरह विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर भारत राष्ट्र का गौरव किस तरह बढ़ाते हैं। भारत का अधिकांश युवा रोजगार का तलबगार हो गया है, उसे सही मार्गदर्शन और नियोजन की योजना की जरूरत भी है। भारत की युवा और दीवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए, अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 141करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चाइना 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 60% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है

तो बहुत ऊंची दरों में या बहुत महंगाई के बाद। ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा ,परंपरागत स्त्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है।

विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

योगेश कुमार गोयल

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष ।प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है। धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा

'जैसे तुम्हारे पिता को मारा, वैसे ही तुम्हें भी मार देंगे'... जीशान सिद्दीकी को मिली जान से मारने की धमकी

- जीशान सिद्दीकी को जान से मारने की मिली धमकी
- ईमेल में 10 करोड़ की मांग और पिता की हत्या का जिक्र
- बाबा सिद्दीकी की हत्या से जुड़ा है लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व विधायक जीशान सिद्दीकी जान से मारने की धमकी मिली है। उन्हें ईमेल के जरिए से धमकी दी गई है। सिद्दीकी ने मुंबई पुलिस को इसकी जानकारी दे दी है। इसके बाद पुलिस की एक टीम जीशान के घर पहुंची। इस धमकी ने सिद्दीकी परिवार की सुरक्षा के मुद्दे को फिर से सुर्खियों में ला दिया है। जीशान के पिता बाबा सिद्दीकी की 6 महीने पहले हत्या कर दी गई थी। उस मामले के आरोपपत्र में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का नाम है। जीशान से 10 करोड़ की डिमांडविधानसभा चुनाव से पहले अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए पूर्व कांग्रेस विधायक जीशान सिद्दीकी को ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली है। जीशान की निजी ईमेल आईडी पर कुछ घंटे पहले एक धमकी भरा ईमेल आया था। मेल में लिखा है कि तुमको उसी तरह मार दिया जाएगा जिस तरह तुम्हारे पिता को मारा गया था। इस ईमेल में जीशान से 10 करोड़ रुपए की मांग की गई है।संबंधित स्टोरीजचिराग पासवान में 'दम' खोजने लगे मुकेश सहनी, नीतीश कुमार को बीमार बताते हुए किया बड़ा सियासी दावाकैसे मिली धमकी? जीशान सिद्दीकी ने पुलिस को बताया कि उन्हें एक धमकी भरा ईमेल मिला है।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पर पक्की खबर, भूपेंद्र यादव हो सकते हैं नड्डा के उत्तराधिकारी, चुनावों में बनेंगे ट्रंप कार्ड

बीजेपी के संगठन चुनावों के अंतिम दौर में पहुंचने के बाद नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इस महीने के आखिर तक तमाम राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष तय होने की उम्मीद की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की रेस में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पहली पसंद बनकर उभरे हैं। बीजेपी अलवर से सांसद के ऊपर दांव खेल सकती है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः बीजेपी का अगला राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा? एक्सटेंशन पर चल रहे जे पी नड्डा के उत्तराधिकारी की तलाश अब पूरी हो चुकी है। बीजेपी ने ऐसे नेता की तलाश पूरी कर ली है, जो संघ, संगठन और मोदी शाह के समीकरणों में फिट हो रहे हैं। इनमें सबसे ऊपर नाम भूपेंद्र यादव का है, जो कांग्रेस की ओबीसी राजनीति के सामने बीजेपी का राष्ट्रीय चेहरा बन सकते हैं। भूपेंद्र यादव वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं। वह राजस्थान के अलवर से लोकसभा के सदस्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदू नववर्ष की शुरूआत पर जब नागपुर पहुंचे थे तो राजनीतिक हलकों में उनकी यात्रा को बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम पर सहमति बनाने से जोड़ा गया था।

सबसे आगे की होने की वजह

पॉलिटिकल एनालिस्ट का कहना है कि भूपेंद्र यादव कई खूबियां लिए हुए हैं। वे ओबीसी चेहरा हैं। कांग्रेस और खासकर राहुल गांधी जिस तरह से जाति वाली राजनीति कर रहे हैं भूपेंद्र यादव उसका सटीक जवाब हो सकते हैं। उनके यादव होने का पार्टी को बिहार के साथ उत्तर प्रदेश में भी लाभ मिल सकता है। इतना ही नहीं चुनाव रणनीतिकार के तौर पर शानदार छवि रही है। बिहार प्रभारी के तौर पर 40 से 39 सीट बिहार में दिलवा चुके हैं। महाराष्ट्र में महायुति की प्रचंड जीत का श्रेय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के चुनाव प्रबंधन और दिया गया है। यह कहा गया कि भूपेंद्र यादव ने बतौर प्रभारी उसे बखूबी जमीन पर उतारा।

जीता है नेतृत्व का भरोसा

राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में भूपेंद्र यादव के अलावा धर्मेंद्र प्रधान का नाम भी काफी प्रमुख है लेकिन यादव प्रधान से कुछ मामलों में आगे हैं। गुजरात और महाराष्ट्र की राजनीति पर नजर रखने वाले एक राजनीतिक विश्लेषक का कहना है कि भूपेंद्र यादव वर्तमान में यूं ही मोदी सरकार में मंत्री नहीं हैं। उन्होंने अपने काम से केंद्रीय नेतृत्व का भरोसा जीता है। यही वजह है कि भूपेंद्र यादव 2021 से गुजरात के प्रभारी हैं। गुजरात जो पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य होने के साथ बीजेपी की प्रयोगशाला है। यहां की जिम्मेदारी को यादव ने बखूबी निभाया है। सूत्रों की मानें तो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान में कुछ और देरी हो सकती है।

- भूपेंद्र यादव मूलरूप से राजस्थान के रहने वाले हैं
- 2024 में अलवर से जीतने के बाद केंद्रीय मंत्री बने
- बीजेपी नेता भूपेंद्र यादव सुप्रीम कोर्ट के वकील रहे हैं

फास्ट ट्रैक

मुंबई में बना देश का पहला और सबसे बड़ा इंटरनैशनल क्रूज टर्मिनल शुरू

केंद्रीय मंत्री सबार्नद सोनोवाल ने मुंबई में अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल का उद्घाटन किया, जिसका उद्देश्य भारत को एक वैश्विक क्रूज हब बनाना है। विशाखापत्तनम और चेन्नई के बाद मुंबई में यह टर्मिनल, प्रधानमंत्री मोदी की योजना को गति देगा और देश में विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करेगा।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई : केंद्रीय पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने सोमवार को मुंबई में बने इंटरनेशनल क्रूज टर्मिनल का उद् ?घाटन किया। हरी झंडी दिखाकर टर्मिनल से क्रूज को रवाना किया गया। सोनोवाल के अनुसार, भारत के पास विशाल समुद्री किनारा है, समुद्री क्षेत्र होने की वजह से देश में जल यातायात को बढ़ावा देने की अपार संभावनाएं हैं। देश में विश्वस्तरीय क्रूज टर्निमल तैयार कर भारत को विश्व के ग्लोबल क्रूज हब के तौर पर विकसित करने की दिशा में काम किया जा रहा है।विशाखापत्तनम और चेन्नई के बाद मुंबई में क्रूज टर्मिनल होने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश को ग्लोबल क्रूज हब के तौर पर विकसित करने की योजना को और बल मिला है। देश की आर्थिक राजधानी में क्रूज टर्मिनल के तैयार होने से मुंबई आने वाले इंटरनैशनल क्रूज की संख्या में इजाफा होगा। इस से देश में आने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में इजाफा होगा।अक्टूबर में पार्किंग और कमर्शियल एरिया होगा तैयारमुंबई पोर्ट ट्रस्ट (बीपीटी) ने दक्षिण मुंबई में 4.15 वर्ग फीट परिसर में क्रूज टर्मिनल का निर्माण किया है। सोमवार से टर्मिनल को क्रूज के संचालन के लिए खोल दिया गया है। लेकिन टर्मिनल के मल्टी लेवल कार पार्किंग और कमर्शियल परिसर का कुछ काम अभी बाकी है। बीपीटी के अक्टूबर, 2025 तक कार पार्किंग और कमर्शियल परिसर का बचा हुआ काम पूरा कर लिया जाएगा। 4.15 लाख वर्ग फुट के टर्मिनल के 2.07 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र का उपयोग कमर्शियल इस्तेमाल के लिए होना है। टर्मिनल में यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्राउंड और पहली मंजिल पर 72 चेकिंग और इमिग्रेशन काउंटर तैयार किए गए हैं।1806 करोड़ के प्रॉजेक्टसोमवार को केंद्रीय मंत्री ने 555.85 करोड़ रुपये की लागत से बने क्रूज टर्मिनल के उद्घटान के साथ ही 1806.09 करोड़ रुपये के प्रॉजेक्ट का शुभारंभ किया। इसके तहत मेलेट बंदर के एक प्लॉट को जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण के कॉर्पोरेट बिल्डिंग के लिए प्रमाणपत्र सौंपा गया। रे रोड के एक प्लॉट को श्री हरे कृष्ण मिशन को सामाजिक कार्य और सामुदायिक गतिविधियों के लिए सौंपा गया। फेरी व्हार्फ यात्री टर्मिनल समेत अन्य को विभिन्न संस्थानों को सौंपा गया।

अश्विनी बिद्रे हत्याकांड में कोर्ट का फैसला

राष्ट्रपति पदक सम्मानित महाराष्ट्र के पुलिसवाले को सुनाई यह सजा

मुंबईः राष्ट्रपति पदक विजेता पूर्व पुलिसकर्मी अभय कुरुंदकर को महाराष्ट्र की एक कोर्ट ने 2016 में असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर अश्विनी बिदरे-गोर की हत्या के लिए उम्रकैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने माना कि अभय बिदरे के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर में था। अडिशनल सेशन कोर्ट के जज के जी पालदेवर ने पिछले महीने कुरुंदकर को हत्या और अन्य अपराधों के लिए दोषी ठहराया था। कुरुंदकर के सहयोगियों कुंदन भंडारी और महेश फलाणीकर को सबूत नष्ट करने का दोषी पाया गया और उन्हें सात साल जेल की सजा सुनाई गई।क्या है अश्विनी बिद्रे मामला ?महाराष्ट्र की पुलिस अधिकारी अश्विनी बिद्रे गोरे अप्रैल 2016 में लापता हो गई थीं।

विश्व विरासत दिवस समारोह पर मध्य रेल ने कैंसर से पीड़ित बच्चों के लिए विशेष विरासत संग्रहालय भ्रमण का आयोजन किया

इतिहास के माध्यम से मुस्कान लाना: मध्य रेल द्वारा एक अनूठी पहल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

विश्व विरासत दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, मध्य रेल ने टाटा मेमोरियल अस्पताल में कैंसर से जूझ रहे 20 युवा योद्धाओं के लिए ऐतिहासिक छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस विरासत संग्रहालय में आमंत्रित करके उनके लिए एक दिल को छूलेने वाला और यादगार अनुभव आयोजित किया।इस कार्यक्रम में बच्चों को प्राचीन कलाकृतियों, दुर्लभ तस्वीरों और यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल CSMT के वास्तुशिल्प को देखने का मौका मिला, जो विरासत के माध्यम से शिक्षा और प्रेरणा दोनों प्रदान करता है। यह कार्यक्रम आज 22 अप्रैल, 2025 को CSMT हेरिटेज म्यूजियम, मुंबई में हुआ।जिज्ञासु युवा आगंतुकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, कई सवाल पूछे और रेलवे के ऐतिहासिक खजाने में गहरी रुचि दिखाई। यह यादगार कार्यक्रम मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क कार्यालय द्वारा टाटा मेमोरियल अस्पताल के बच्चों को अपने समृद्ध इतिहास और विरासत को दिखाने के लिए आयोजित किया गया था। मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्नील निला ने श्री पी. डी. पाटील, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी, मध्य रेल, श्री माइकल मैनुअल राज, जनसंपर्क अधिकारी मध्य रेल और श्री नितिन राजगोंड जनसंपर्क अधिकारी, मध्य रेल के साथ मिलकर बच्चों को उनकी यात्रा की याद में स्मृति चिन्ह भेंट किए। उनके साथ श्री संतोष शेरवाडे, उप प्रशासनिक अधिकारी (पीआर), और श्रीमती स्वाति म्हात्रे, जनसंपर्क अधिकारी भी थे, जो पूरे दौरे में बच्चों के साथ रहे। मध्य रेल इन बहादुर बच्चों की मेजबानी करके सम्मानित महसूस करता है और उम्मीद करता है कि यह यात्रा उन्हें एक रोमांचक और ज्ञानवर्धक अनुभव प्रदान करेगी। इस तरह के आयोजन सामुदायिक जुड़ाव के लिए मध्य रेल की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करते हैं।

पुणे पोर्श हादसे के आरोपी का रुपये लेकर बदला था ब्लड सैंपल, महाराष्ट्र के दो डॉक्टर्स का लाइसेंस सस्पेंड

- पुणे में पोर्शे हादसे के बाद दो डॉक्टरों का लाइसेंस निरस्त किया गया
- डॉक्टरों पर नाबालिग का ब्लड सैंपल बदलने का गंभीर आरोप
- जेल में बंद डॉक्टरों की जांच पूरी होने तक सस्पेंशन जारी रहेगा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पुणे : महाराष्ट्र के पुणे में पोर्शे हादसा ने पूरे देश में सनसनी मचा दी थी। इस केस में महाराष्ट्र सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल ने ससून जनरल अस्पताल के दो बड़े डॉक्टरों पर एक्शन लेते हुए उनका लाइसेंस निरस्त कर दिया है। 19 मई, 2024 को हुए पोर्शे कार एक्सीडेंट में दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई थी।एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. विंकी रुघवानी ने बताया कि जांच पूरी होने तक, गलत काम करने के आरोप में इन दोनों डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द कर दिया गया है। अब ये डॉक्टर प्रैक्टिस नहीं कर पाएंगे। इसका मतलब है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक ये डॉक्टर मरीजों का इलाज नहीं कर सकते।

पुणे पुलिस से मांगी थी रिपोर्ट

डॉ. तावरे और डॉ. हलनोर दोनों ही अभी येरवदा सेंट्रल जेल में बंद हैं। ने पुणे पुलिस और मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट से इस मामले की रिपोर्ट मांगी थी। इन रिपोर्टों के आधार पर ही ने दोनों डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द करने का फैसला लिया। डॉ. हलनोर उस समय थे, जब एक्सीडेंट के बाद नाबालिग लड़के को अस्पताल लाया गया था।

टूट और टल रहीं शादियां, ड्रमों- टैंक पर ताला, महाराष्ट्र के अकोला में पानी किल्लत सोचने पर कर देगी मजबूर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अकोला : महाराष्ट्र के अकोला जिले में कई गांव ऐसे हैं, जहां पानी की भारी किल्लत है। भीषण गर्मी के कारण हालात और भी खराब हो गए हैं। लोग परेशान हैं। बूंद-बूंद पानी बचाने में लगे हैं। यहां तक कि किसी सोना-चांदी और रुपयों की तरह पानी को ताला में रखा जा रहा है। अकोला जिले में पारा 44त्त से ऊपर जा रहा है। ₹सलाइन बेल्ट₹ के गांवों में पीने के पानी की बहुत कमी हो गई है। नल तो लगे हैं, लेकिन उनमें पानी नहीं आता।

तलाकशुदा महिला ने मांगी सरोगेसी की अनुमति

मुंबई : बॉम्बे हाई कोर्ट ने सोमवार को एक 36 वर्षीय तलाकशुदा महिला की सरोगेसी की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि इस प्रकार की अनुमति से दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं और यह सरोगेसी के व्यावसायीकरण की ओर भी ले जा सकती है।

दक्षिण पश्चिम रेल के हुब्बल्लि मंडल में बागलकोट में चल रहे काम के कारण मध्य रेल के सोलापुर मंडल पर चलने वाली ट्रेनों पर असर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

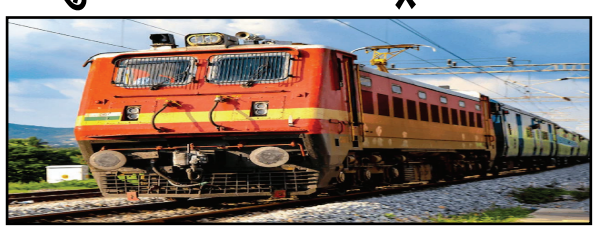

दक्षिण पश्चिम रेल के हुब्बल्लि मंडल द्वारा बागलकोट में चल रहे काम के कारण मध्य रेल के सोलापुर मंडल पर चलने वाली ट्रेनों पर निम्नलिखित असर पड़ेगाः

रद्द की गई ट्रेनें

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निम्नलिखित ट्रेनें रद्द रहेंगीः

- ट्रेन संख्या 56906 हुब्बल्लि-सोलापुर पैसेंजर जेसीओ 21.04.2025 से 24.04.2025 तक
- ट्रेन संख्या 56903 सोलापुर-धारवाड़ पैसेंजर जेसीओ 22.04.2025 से 25.04.2025 तक
- ट्रेन संख्या 11415 सोलापुर-होसपेटे एक्सप्रेस जेसीओ 22.04.2025 से 24.04.2025 तक
- ट्रेन संख्या 11416 होसपेटे-सोलापुर एक्सप्रेस जेसीओ 23.04.2025 से 25.04.2025 तक

यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इसके परिणामों पर ध्यान दें और तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

पश्चिम रेलवे-राजकोट मण्डल

मवेशी बाड़ लगाने का कार्य

ई-निविदा सूचना संख्या: 04 वर्ष 2025-26 दिनांक 22/04/2025; कार्यालय का पता: मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट, गुजरात - 360001 **वेबसाइट: www.ireps.gov.in (01) ई-निविदा सं. DRM-RJT-2025-26-E-05; कार्य का नाम:** राजकोट मंडल:- हड़मतिया-जामनगर सेक्शन के अंतर्गत वंदे भारत ट्रेन के संबंध में मवेशी बाड़ लगाने का कार्य । **अनुमानित लागत:** ₹ 36,87,13,023.19; **बयाना राशि:** ₹ 19,93,600.00; **निविदा खोलने की दिनांक एवं समय :** 16/05/2025, 15:00 बजे।

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly 010

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा संरक्षा सेमिनार और परामर्श सत्रों का आयोजन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई,पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 08 से 12 अप्रैल, 2025 तक विभिन्न स्थानों पर संरक्षा सेमिनार और परामर्श सत्रों की श्रृंखला आयोजित की गई। इन सत्रों का उद्देश्य रेल कर्मचारियों के बीच संरक्षा जागरूकता को बढ़ाना और परिचालन प्रक्रियाओं को मजबूत बनाना था।पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संरक्षा सेमिनार और परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला 8 अप्रैल, 2025 से शुरू हुई और मुंबई मंडल के 6 स्थानों - वसई रोड, मुंबई सेंट्रल कोचिंग डिपो, नंदुरबार, सूरत, वलसाड और उधना में आयोजित की गई। सेमिनार मुख्य रूप से ट्रेन परिचालन और रख-रखाव से संबंधित कर्मचारियों के लिए आयोजित की गई।श्री विनीत अभिषेक ने बताया कि सेमिनार में इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, सिगनल एवं टेलीकॉम, परिचालन विभाग आदि से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। शंटिंग का सुरक्षित संचालन, रोलिंग स्टॉक की संरक्षा, फायर अलार्म सिस्टम की कार्यप्रणाली, एलसी क्लोजिंग की प्रक्रिया, वर्क साइट की संरक्षा, ओएचई इंसुलेटर का संचालन आदि विषयों पर चर्चा की गई। इन संरक्षा सेमिनारों के दौरान चिकित्सा विभाग के डॉक्टरों द्वारा भी एक विशेष सत्र आयोजित की गई। इस सत्र में हीट वेव जैसी स्थितियों के लिए स्वास्थ्य से जुड़े एहतियाती उपायों, गर्म परिस्थितियों में काम करने के लिए संरक्षा सुझाव, हाइड्रेशन का महत्व, गर्मी से थकावट के लक्षण और बुनियादी प्राथमिक चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, विशेष रूप से गर्मियों के मौसम में हाइड्रेटेड रहने में मदद करने के लिए कर्मचारियों को ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (डफर) पैकेट वितरित किए गए।यह पहल पश्चिम रेलवे की संरक्षा और विश्वसनीयता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत वह अपने फ्रंटलाइन कर्मचारियों को परिचालन और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक मामलों पर नियमित रूप से शिक्षित करती है और परामर्श प्रदान करती है।

मध्य रेल

वाडीबंदर कोचिंग कॉम्प्लेक्स का उन्नयन/विकास

ई–निविदा (ओपन टेंडर) सूचना संख्या **CR01-CME-C-HQ-2025-WB** दिनांकः **18–04–2025** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मध्य रेलवे, 6वीं मंजिल, नई प्रशासनिक इमारत, डी.एन. रोड, सीएसएमटी, मुंबई – 400 001, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए **IREPS** वेबसाइट (ई–निविदा पोर्टल): **www.ireps.gov.in** पर दो पैकेट प्रणाली में ई–निविदा आमंत्रित करता है। **कार्य का नामः** वाडीबंदर कोचिंग कॉम्प्लेक्स का उन्नयन/विकास वंदे भारत चेयर कार मेंटेनेंस सह कार्यशाला डिपो के रूप में, सेंट्रल रेलवे के लिए, जिसमें **सिविल इंजीनियरिंग कार्य** (एमएस–5 से एमएस–8 तक (लगभग 400 मीटर × 36 मीटर आकार) के ऊपर कवर शेड का डिज़ाइन और निर्माण, आईओएच शेड के विस्तार का डिज़ाइन और निर्माण (लगभग 70 मीटर × 28 मीटर आकार), जिसमें पिट लाइन और गैंट्री रेल शामिल हैं, कंक्रीट एप्रोच रोड (लगभग 300 मीटर × 5 मीटर आकार) का निर्माण, सीडी कार्य, साइड ड्रेन्स, सुरक्षा कार्य, कैटवॉक, शेड और इमारतों को हटाना एवं मलबे का निपटान, पीएमसी के लिए साइट ऑफिस का निर्माण एवं साज–सज्जा, निरीक्षण के लिए वाहनों की आपूर्ति, ड्रॉइंग एवं विवरणों के अनुसार अन्य आवश्यक कार्यों का निष्पादन, **मैकेनिकल इंजीनियरिंग कार्य** (मशीनरी एवं संयंत्र वस्तुओं की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, विद्युत (सामान्य) इंजीनियरिंग कार्य (मौजूदा मेंटेनेंस लाइनों के ऊपर बने कवर शेड के सामान्य विद्युत कार्य, फिटिंग्स की आपूर्ति और स्थापना, जिसमें टर्बो वेंटिलेटर आदि शामिल हैं, विस्तारित मरम्मत (आईओएच) शेड का विद्युत कार्य, **विद्युत (टीआरडी) इंजीनियरिंग कार्य** (ओएचई लेआउट प्लान का सर्वेक्षण, डिज़ाइन और तैयारी, 25 केवी एसी ओएचई प्रणाली की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग, टॉवर वैगन, वायरिंग ट्रेन, क्रेन आदि के संचालन एवं रखरखाव की लागत, सामग्री भंडारण की सुरक्षा व्यवस्था (वॉच एंड वार्ड पर्सनेल), मौजूदा ओएचई सेक्शनों को हटाना और परिवहन करना, पीएसआई संबंधित कार्य, पीसी/डेटालॉगर, लेजर प्रिंटर की आपूर्ति एवं वाहन किराए पर लेना का कार्य शामिल हैं। **निविदा मूल्यः रु.97,68,87,868.39 बोली सुरक्षाः रु.50,34,400.00 निविदा फॉर्म की लागतः** लागू नहीं (जीसीसी अप्रैल 2022 के पृष्ठ 4 के खंड 3 के अनुसार) **प्रस्ताव की वैधताः** निविदा खुलने की तारीख से 180 दिन। **पूर्णता अवधिः** 18 (अठारह) महीने, मानसून सहित। **निविदा दस्तावेजों की उपलब्धताः** वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध। **निविदा जमा करने और खोलने की तिथि एवं समय** पूरी तरह से भरी हुई ई–निविदाएं, आवश्यक दस्तावेजों सहित, उपरोक्त वेबसाइट पर **17–06–2025 को सुबह 11.00 बजे तक** इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपलोड की जानी चाहिए। निविदा (तकनीकी बोली ही) **26–06–2025 को 16.00 बजे के बाद ऑनलाइन खोली जाएगी। संयुक्त उद्यम फर्मः** संयुक्त उद्यम (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी। **निविदाकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण नोट्सः** 1. निविदा केवल ई–निविदा के माध्यम से ही की जाएगी। सभी इच्छुक निविदाकर्ताओं को पहले IREPS वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर पंजीकरण करना आवश्यक है। 2. संभावित निविदाकर्ताओं को सलाह दी जाती है कि वे अपनी पेशकश को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करने से पहले निविदा विवरणों को पढ़ें, जिसमे शर्तें और पात्रता मानदंड शामिल हैं। 3. समय समय पर जारी किए गए निविदा दस्तावेज और सुधार उपरोक्त वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। यदि कोई परिवर्तन होता है, तो इसे निविदा खुलने से कम से कम 15 दिन पहले इस वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा। **स्पष्टीकरण के लिए संपर्क करें** : एसीडीओ, वाडीबंदर, सेंट्रल रेलवे, मुंबई (फील्ड यूनिट), किसी भी कार्यदिवस को प्रातः 10:00 बजे से सायं 17:30 बजे के बीच। **नोटः** यदि हिंदी और अंग्रेजी संस्करणों के बीच किसी भी प्रकार के शब्दों, शर्तों और नियमों में कोई अंतर होता है, तो उस स्थिति में अंग्रेजी संस्करण को अंतिम और लागू माना जाएगा। 46

अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

के.एम.जे. फुले म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल विक्रोली (ई), मुंबई- 400 083।

No. HO/360/KMJP dated 22.04.2025

बृहन्मुंबई महानगरपालिका, के.एम.जे. फुले म्युनिसिपल जनरल हॉस्पिटल, विक्रोली (एमजीसी/एच/5810/नगर आयुक्त का अनुमोदन दिनांक 20 मार्च, 2025) और 22 महीने के लिए (179 दिनों के बाद एक दिन के ब्रेक के साथ) अस्थायी अनुबंध के आधार पर 1 अंशकालिक रजिस्ट्रार सहायक उम्मीदवार को स्थानीय पंजीकृत एनजी0 (मुंबई पब्लिक ट्रस्टी सिस्टम) से उपरोक्त सेवाएं लेने के लिए एक सीलबंद लिफाफे में आमंत्रित किया जाता है।

इच्छुक एनजीओ केएमजे फुले नगर निगम जनरल अस्पताल, विक्रोली (1 अंशकालिक पंजीकरण सहायक के लिए रु. 726/- (गुड्स एंड सर्विस टैक्स) के लिए आवेदन पत्र नकद या बैंक डीडी की रसीद द्वारा 'बृहन्मुंबई नगर निगम' के नाम पर नगर नागरिक सुविधा केंद्र (सीएफसी) में 23-04-2025 से 02-05-2025 के बीच सुबह 11:00 बजे से शाम 05:00 बजे के बीच (राजपत्रित और साप्ताहिक छुट्टियों को छोड़कर), पात्र संस्थानों की सूची से मुख्य चिकित्सा अधिकारी उन संस्थानों को काम आवंटित करेंगे जो नियम और शर्तों के अनुसार लॉटरी प्रक्रिया में सफल होते हैं।

इच्छुक संस्थाएं अधिक जानकारी, आवेदन एवं वसीयत आदि के लिए उक्त अस्पताल के प्रशासनिक कार्यालय में प्रातः 11:00 बजे से 05:00 बजे के मध्य संपर्क करें।

संस्था द्वारा उक्त अस्पताल में आवेदन करने की अंतिम तिथि 02-05-2025 को दोपहर 01:00 बजे तक है। उक्त मामले में प्राप्त दस्तावेज दिनांक 05-05-2025 को प्रातः 11:00 बजे खोले जाएंगे।

हस्ताक्षर
एसडी/
मुख्य चिकित्सा अधिकारी (यू/सी)
केएमजे फुले नगर निगम सामान्य अस्पताल, विक्रोली (पूर्व)

पीआरओ/193/विज्ञा0/2025-26

समय पर उपचार बचाए प्राण

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

रुचि की अभिव्यक्ति का विज्ञापन

विषयः लोक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एफ/दक्षिण वार्ड में 'डी' श्रेणी में बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं के रिक्त पदों को स्वैच्छिक संगठन के माध्यम से संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत एफ/दक्षिण वार्ड में स्वैच्छिक संगठनों (बचत समूहों को छोड़कर) के माध्यम से संविदा के आधार पर डिस्पेंसरी और कार्यालय में 'डी' श्रेणी में रिक्त पदों को भरने के लिए, बृहन्मुंबई महानगरपालिका डिस्पेंसरी, बृहन्मुंबई और महानगरपालिका कार्यालय में संविदा के आधार पर बहुउद्देशीय कार्यकर्ता प्रदान करने में 1 वर्ष का अनुभव रखने वाले संगठन आवेदन करें। इच्छुक संगठन भविष्य निधि राज्य और कर्मचारी बीमा योजना में पंजीकृत श्रमिक सहकारी समितियां, सेवा सहकारी समितियां, बेरोजगार सेवा सहकारी समितियां, गैर-सरकारी संगठन (इन सभी संगठनों की स्थापना का उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार प्रदान करना होना चाहिए) आदि हैं। हम संगठनों से उनकी पात्रता सूची तैयार करने और लॉटरी द्वारा उनका चयन करने के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं।

आवेदन पत्र एफ/साउथ वार्ड में सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से 23-4-2025 से 29-04-2025 को 11:00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक संगठनों को अधिक जानकारी, आवेदन पत्र और शपथ पत्र के नमूने के लिए एफ/साउथ वार्ड सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क करना चाहिए।

संगठन द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि 29-04-2025 को 05:00 बजे है।

निर्दिष्ट कार्यालय समय के बाद प्रस्तुत किए गए आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

हस्ताक्षर
स्वास्थ्य चिकित्सा अधिकारी,
(एफ/एस वार्ड)

पीआरओ/195/विज्ञा0/2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं

चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान से यूपीएससी परीक्षा में छात्रों ने हासिल की बड़ी सफलता

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) 2024 के लिए आयोजित परीक्षा के परिणाम हाल ही में घोषित किए गए हैं। इस परीक्षा में ठाणे मनपा के स्व. चिंतामनराव देशमुख प्रशासन संस्थान में प्रशिक्षण ले रहे छात्र दीपाली महतो, अंकिता अनिल पाटिल, वीर ऋषिकेष नागनाथ और सृष्टि सुरेश कुलये उत्तीर्ण हुए हैं। मनपा आयुक्त सौरभ राव ने उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्जल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। दीपाली महतो (air 105), अंकिता अनिल पाटिल (air 303), वीर ऋषिकेश नागनाथ (air 556), और सृष्टि सुरेश कुलाये (air 831) ने वर्ष 2024 में आयोजित संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में प्रभावशाली सफलता हासिल की है। सभी चार छात्र चिंतामनराव देशमुख प्रशासन संस्थान में नियमित प्रशिक्षण ले रहे थे। संस्था के निदेशक महादेव जगताप ने बताया कि उनकी सफलता से संस्था के साथ-साथ ठाणे मनपा को भी गौरव मिला है। ठाणे नगर निगम द्वारा संचालित चिंतामनराव देशमुख प्रशासनिक प्रशिक्षण संस्थान एक संस्था है जो यूपीएससी, एमपीएससी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण और मार्गदर्शन प्रदान करती है। इस संस्थान से अब तक कई छात्र सफलता प्राप्त कर चुके हैं और सरकारी सेवा में उच्च पदों पर कार्यरत हैं।

अंबरनाथ में मराठी फिल्म महोत्सव का भव्य दिव्य आयोजन

दिग्गज अभिनेत्री सुहास जोशी को दिया गया लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. रविवार की शाम अंबरनाथ पूर्व के अटल उद्यान में मराठी सिनेमा जगत के सितारों ने अंबरनाथकरों को एक न भूलने वाला अनुभव प्रदान किया। महाराष्ट्रीयन अस्मिता और भाषा संस्कृति का परिचय देने वाले 9 वें अंबरनाथ मराठी फिल्म पुरस्कार समारोह का आयोजन अंबर भरारी, अखिल भारतीय मराठी फिल्म महामंडल तथा डॉ.श्रीकांत शिंदे फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस चित्रपट समारोह में मराठी फिल्म श्री गणेशा को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार प्रदान किया गया। मराठी फिल्म जगत की मशहूर और दिग्गज अभिनेत्री सुहास जोशी को लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अंबरनाथ पूर्व स्थित सूर्योदय हॉल के निकट अटल उद्यान में आयोजित मराठी चित्रपट महोत्सव का भव्य उद्घाटन मराठी सिनेमा के प्रसिद्ध

अभिनेता मकरंद अनासपुरे ने विजय पेटकर, अनिल कालेलकर की उपस्थिति में किया। इस अवसर पर अंबर भरारी के अध्यक्ष और पूर्व नपा अध्यक्ष सुनील चौधरी, महोत्सव के निदेशक महेंद्र पाटिल, दत्ता घावट, निखिल चौधरी भी उपस्थित थे। फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ महिला निर्देशक का पुरस्कार कंचन अधिकारी, सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय अभिनेता का पुरस्कार मकरंद अनासपुरे को दिया गया। वेब सीरीज कैटेगरी में आईपीसी ने पुरस्कार प्राप्त किया। मंदार जोशी को सिने पत्रकारिता गौरव पुरस्कार और विजय खोचीकर को तकनीकी गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार संदीप कुलकर्णी को सत्यशोधक फिल्म के लिए मिला। सर्वश्रेष्ठ नकारात्मक अभिनेता का पुरस्कार प्रथमेश परब को दिया गया। बाल कलाकार की श्रेणी में शर्वा और मायरा वैकुल को पुरस्कार प्रदान किया गया। कॉमेडी किंग फेम शिवाली परब, महेश सुभेदार प्रथमेश परब और अन्य मराठी रंगमंच के मशहूर कलाकारों की उपस्थिति ने इस चित्रपट महोत्सव की शोभा बढ़ाने में योगदान दिया।

पुरुस्कार वितरण समारोह का संचालन अमेय रानाडे और जगदीश हड़प ने किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मराठी सिने प्रेमियों के साथ साथ हिंदी सिने प्रेमी भी भारी संख्या में उपस्थित थे।बदलापुर अंबरनाथ बिल्डर एसोसिएशन के महासचिव जीडी मिश्रा, उद्योगपति नवीन बंसल, गुणवंत खिरोड़िया आदि लोगों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने में सहयोग किया।

फास्ट ट्रैक

शहर की बुनियादी समस्याओं पर कांग्रेस का विरोध

शाहजहांपुर में नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, टैक्स वसूली पर जताई नाराजगी

शाहजहांपुर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय में शहर की बुनियादी समस्याओं को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नगर आयुक्त को 13 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि रोशनी गोदाम प्रभारी ट्रैक्टर में पेट्रोल की चोरी कर रहे हैं। खराब जेसीबी की मरम्मत के नाम पर फर्जी बिल बनवाए जा रहे हैं। साथ ही सामान को अधिक कीमत पर खरीदा जा रहा है। शहर में स्वच्छता व्यवस्था की स्थिति खराब है। नाले कूड़े से भरे हुए हैं। मच्छरों से बचाव के लिए दवा का छिड़काव नहीं हो रहा है। इससे डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ रहा है। बुनियादी सुविधाओं के अभाव में भी नगर निगम वाटर और हाउस टैक्स वसूल रहा है। सड़क सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंताएं हैं। रेती रोड स्थित संजय स्कूल, बरेली मोड़ स्थित एसएस कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के पास स्पीड ब्रेकर नहीं हैं। आवारा पशुओं के कारण दुर्घटनाएं हो रही हैं। बारिश के मौसम में सदर बाजार, स्टेशन रोड और घंटाघर के पास जलभराव की समस्या बनी रहती है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं तो वे आंदोलन करेंगे।

हजरत गैबन शाह वली दरगाह पर सालाना उर्स इस बार 16 मई से 25 मई तक मनाया जाएगा।

गैबन शाह वली के उर्स में अड़चनें डालने वाले समाज के ही कुछ लोगों का ट्रस्ट डटकर सामना करेगा– उर्स कमेटी चेयरमैन जलालुद्दीन करीम शेख

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अंबरनाथ. अंबरनाथ के प्रसिद्ध सूफी संत हजरत गैबन शाह वली की दरगाह पर विगत 75 वर्षों से लगने वाले धार्मिक और सर्वधर्म समभाव को बढ़ाने वाले संदल शरीफ (उर्स) का आयोजन इस बार 16 मई से 25 मई के बीच हर्षोल्लास और अकीदत ओ मुहब्बत से मनाया जाएगा। अमन का पैगाम देने वाले और धार्मिक सौहार्द की मिसाल पेश करने वाले हजरत गैबन शाह वली के संदल शरीफ के कार्यक्रम और कार्यव्यवस्था पर समाज के कुछ लोगों द्वारा सवालिया प्रश्न उठाए जाने पर अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के सदर और अराकीनो ने सोमवार को पत्रकार परिषद के माध्यम से अपना पक्ष रखते हुए तमाम मुद्दों और सवालों पर अपना पक्ष रखा। उर्स कमेटी के चेयरमैन जलालुद्दीन करीम शेख ने तमाम सवालों पर अपनी बात रखते हुए कहा कि हजरत गैबन शाह वली का उर्स शरीफ बाबा की दुआओं और अंबरनाथ की हिन्दू मुस्लिम जनता के सहयोग से इस बार भी शांतिपूर्वक ढंग से और प्रशासन की गाइडलाइन के हिसाब से होगा। हमारे बीच से कुछ लोगों द्वारा उर्स की टाइमिंग और अन्य मुद्दों पर जो सवाल उठाए जा रहे है वो गैरजरूरी और गलत हैं, ऐसे लोग यदि अपना रुख नहीं बदलते हैं तो हम हर तरीके से उनके सवालों और हर हथकंडों के जवाब देने में समर्थ और पूरी तरह से तैयार हैं। में तमाम लोगों से गुजारिश करता हूं कि बाबा के आस्ताने पर लगने वाले इस सालाना उर्स में आगे आकर अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के साथ मिलकर काम करे और उर्स को कामयाब बनाएं। अंबरनाथ मस्जिद ट्रस्ट के सदर हाजी सलीम जिंदावली चौधरी ने कहा कि हजरत गैबन शाह वली दरगाह पर लगने वाला उर्स हिन्दू मुस्लिम एकता और मुहब्बत का पैगाम देने वाला उर्स है। पिछले कई वर्षों से बिना किसी रोक टोक के शासन की अनुमति और गाइडलाइन को फॉलो करते हुए मनाया जा रहा है और इस बार भी उसी हिसाब से उर्स मनाया जाएगा।उर्स कमेटी के चेयरमैन और सभी ट्रस्टियों के साथ साथ सभी मुस्लिम आवाम इस उर्स को कामयाब बनाने में सहयोग करती है। इस अवसर पर पूर्व नगरसेवक और ट्रस्टी बिस्मिल्लाह शेख, ख्वाजा युनुस चौधरी, इमरान सर आदि ने भी अपनी अपनी बात और राय रखी।

सई नदी में डूबा युवक, मौत

48 घंटे की तलाश के बाद मिला शव, परिवार में कोहराम, नहाने गया था

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, डीह थाना क्षेत्र में गंगापुर कमवा गांव के 26 वर्षीय अतुल गौतम की सई नदी में डूबने से मौत हो गई। रविवार शाम करीब 6 बजे अतुल नहाने के लिए नदी गए थे। घर से जाते समय उन्होंने परिवार को नदी में नहाने जाने की बात बताई थी। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटे, तो परिवार ने खोजबीन शुरू की। परिवार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने गोताखोरों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। लगातार 48 घंटे की तलाश के बाद मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे पूरे ब्रह्मांडन गांव के पास सई नदी से उनका शव बरामद हुआ। ग्रामीणों के अनुसार, अतुल मिलनसार और नेक इंसान थे। वह हर किसी के सुख-दुख में साथ खड़े रहते थे। शव की बरामदगी के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेंशनरों का केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध

रायबरेली में सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने वित्त विधेयक 2025 को लेकर किया प्रदर्शन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

रायबरेली, सेवानिवृत्त कर्मचारियों और पेंशनर्स एसोसिएशन ने वित्त विधेयक 2025 में पेंशन नियमों में किए गए बदलावों का विरोध किया। विकास भवन में आयोजित धरना प्रदर्शन में एसोसिएशन की जिला इकाई के पदाधिकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की। कर्मचारियों का कहना है कि सरकार 31 दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त पेंशनरों की पेंशन का पुनरीक्षण नहीं कर रही है। 1 जुलाई 2024 से दिया गया महंगाई भत्ता पेंशनरों को महंगाई से राहत देने में पर्याप्त नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने कोविड काल के दौरान रुके हुए 18 महीने के महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) के भुगतान न होने पर भी नाराजगी जताई। एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है।

जिला अध्यक्ष रविंद्र कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त कर्मचारी शामिल हुए।

सांड के गले में फंसी साइकिल

रोड पर दौड़ता रहा, मजाकिया अंदाज में लोगों ने राजनीति से जोड़ा

शाहजहांपुर, एक अजीब घटना सामने आई है। थाना गढ़िया रंगीन क्षेत्र के बाजार में सांड के गले में साइकिल फंस गई। घटना सब्जी की एक दुकान के पास की बताई जा रही है। चर्चा है कि दुकान के बाहर खड़ी साइकिल के बीच से सांड ने सब्जी खाने की कोशिश की। लोगों ने जब उसे भगाया तो भागने के दौरान उसकी गर्दन में साइकिल फंस गई। इसके बाद सांड साइकिल के साथ सड़क पर इधर-उधर भागने लगा। इससे वहां अफरा-तफरी मच गई। सांड काफी देर तक गले में फंसी साइकिल के साथ भागता रहा। इस दौरान मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि साइकिल का पहिया भी टेढ़ा हो गया है। यह वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि दैनिक भास्कर वायरल वीडियो की पुष्टि नही करता है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इस घटना को मजाकिया अंदाज में प्रदेश की राजनीति से भी जोड़कर देख रहे हैं। साइकिल और सांड की इस घटना को लेकर लोग तरह-तरह की टिप्पणियां कर रहे हैं।

पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहर

इलाज नहीं कराने का आरोप, भाई बोला–पति के हैं अवैध संबंध

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक पारिवारिक विवाद ने गंभीर मोड़ ले लिया। थाना सदर बाजार क्षेत्र की 31 वर्षीय पूनम ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद महिला ने यह कदम उठाया। हालत बिगड़ने पर बेटे ने अपने मामा को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। मामा जब बहन के घर पहुंचे तो उन्होंने पति से अस्पताल ले जाने का आग्रह किया। पति ने पहले इनकार किया और बाद में खुद शहर के एक प्राइवेट अस्पताल ले गया। प्राइवेट अस्पताल से महिला को बरेली रेफर किया गया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका के परिजनों का आरोप है कि पति के किसी अन्य महिला से अवैध संबंध थे। इसी कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के भाई ने कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी घर से लापता

परिवार खेत में था, 50 हजार रुपये और जेवर ले गई, गांव के युवक पर ले जाने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। जैतीपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय लड़की घर से फरार हो गई। घटना 13 अप्रैल की है। लड़की का परिवार खेत में गेहूं की कटाई के लिए गया था। वह घर पर अकेली थी। जब परिवार वापस लौटा तो लड़की घर पर नहीं मिली। परिवार ने जब घर की तलाशी ली तो पता चला कि घर में रखे 50 हजार रुपये की नकदी और सोने-चांदी के जेवर भी गायब हैं। परिवार का आरोप है कि मदनापुर थाना क्षेत्र का एक युवक उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। परिवार ने गांव और रिश्तेदारों के यहां लड़की की तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने परिवार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है और लड़की की तलाश शुरू कर दी है।

दहेज वाली गाड़ी का किराया न देने पर शादी टूटी

लखनऊ की दुल्हन ने शाहजहांपुर में शादी से किया इनकार, दूल्हा करता रहा इंतजार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक शादी महज दहेज वाली गाड़ी के किराये के विवाद की वजह से टूट गई। थाना खुटार क्षेत्र के एक युवक की शादी लखनऊ की युवती से तय हुई थी। सोमवार की रात को मैरिज लॉन में दूल्हा पक्ष ने सारी तैयारियां कर रखी थीं। दुल्हन पक्ष ने दहेज की सामग्री एक गाड़ी में भरकर दूल्हे के घर भेज दी। गाड़ी पहुंचने के बाद दुल्हन पक्ष ने दूल्हे के परिवार से 12 हजार रुपए किराया देने को कहा। दूल्हे के परिवार ने किराया देने से मना कर दिया। इस बात की जानकारी जब दुल्हन को हुई तो उसने शादी से ही इनकार कर दिया। दूल्हा और उसका परिवार देर रात तक मैरिज लॉन में दुल्हन पक्ष का इंतजार करते रहे। सभी मेहमान भी वहां मौजूद थे। मामले की सूचना थाने तक पहुंची, लेकिन कोई लिखित शिकायत नहीं की गई। थाना प्रभारी का कहना है कि अगर कोई प्रार्थना पत्र मिलेगा तो उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसपी आफिस पहुंचे आईएमए के पदाधिकारी

बोले– परिवार के दबाव में डाक्टरों पर दर्ज की गई एफआईआर, एसपी ने निष्पक्ष जांच का दिया आश्वासन

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला की प्रसव के बाद मौत के मामले में चार डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इनमें आईएमए के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. पीके अग्रवाल भी शामिल हैं। आईएमए के पदाधिकारियों ने एसपी राजेश द्विवेदी से मुलाकात कर निष्पक्ष जांच की मांग की है। मोहनगंज की रहने वाली चारू को ब्रजदीप अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉ. दीपा सक्सेना ने मरीज की तबीयत बिगड़ने पर डॉ. अग्रवाल और डॉ. पाठक को बुलाया। डॉक्टरों ने मरीज को रेफर किया। परिवार मरीज को कमला नर्सिंग होम ले गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतका के परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कमला नर्सिंग होम के बाहर प्रदर्शन किया। इसके बाद पुलिस ने डॉ. पीके अग्रवाल, डॉ. दीपा सक्सेना, डॉ. पाठक और एक अन्य डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज किया।

उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा किया गया साड़ी वितरण

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रतापगढ़ (उप्र) मान्धाता के ग्राम सभा बरिस्ता में उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा साड़ी वितरण किया गया। पीसीएस अधिकारी प्रदीप सिंह ने बताया कि स्वर्गीय उषा सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम सभा बरिस्ता के त्रिलोकी पुर पुरवा स्थित भुवनेश्वर सिंह (गोपाल सिंह) के आवास पर ग्राम सभा बरिस्ता, सराय मुरार सिंह और बरहुआ भोजपुर की गरीब, जरूरतमंद महिलाओं को साड़ी वितरण किया गया।

उषा सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा आयोजित साड़ी वितरण कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित महिलाओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गयी थी। जलपान के बाद तैयार सूची के अनुसार बारी बारी से बुलाकर भुवनेश्वर सिंह, मुक्तेश्वर सिंह, आशीष सिंह, विकास सिंह, अवकाश सिंह, पूनम सिंह, और पारिवारिक सदस्यों के हाथों साड़ी वितरण किया गया। इस दौरान साड़ी के साथ साथ आर्थिक सहयोग और मिठाई का पैकेट की व्यस्था की गई थी। स्वर्गीय उषा सिंह एक कुशल गृहिणी होने के साथ साथ उनमें पूजा पाठ और धर्म कर्म पर श्रध्दा और विश्वास रखकर गांव समाज की महिला वर्ग के बीच सहयोग की भावना थी। एक वर्ष पूर्व अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। स्वर्गीय उषा सिंह के पति भुवनेश्वर सिंह रिटायर शिक्षक है, बड़े सुपुत्र प्रदीप सिंह पीसीएस अधिकारी हैं। आशीष सिंह एक निजी कंपनी में महत्वपूर्ण पद पर कार्यरत हैं परिवार पूरी तरह से उच्च शिक्षित और आर्थिक रूप से सम्पन्न है। स्वर्गीय उषा सिंह की स्मृति में गरीब जरूरतमंद की मदद के लिए पीसीएस अधिकारी प्रदीप शर्मा ने उषा सिंह मेमोरियल ट्रस्ट की स्थापना की है और इसी ट्रस्ट के माध्यम से गरीब मजदूर जरूरतमंद को चिकित्सा, शिक्षा के साथ साथ कंबल वितरण और साड़ी वितरण का आयोजन कर सहयोग करते रहते हैं।

पीसीएस अधिकारी प्रदीप सिंह ने कहा कि मेरी माता स्वर्गीय उषा सिंह हमेशा गांव समाज के गरीब जरूरतमंद की सहयोग की भावना रखती थी उनकी स्मृतियों को संजो कर मैं भी गांव समाज के जरुरत मंद की सेवा उनके स्मृति में ट्रस्ट बनाकर कर रहा हूं यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि होगी। साड़ी वितरण कार्यक्रम के बाद स्वर्गीय उषा सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा गया ।उपस्थित लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय उषा सिंह की तस्वीर पर श्रध्दा सुमन अर्पित किया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी पंडित राम अभिलाष मिश्रा, अशोक सिंह, डाक्टर केपी सिंह, संतोष सिंह (झुलई), धीरेन्द्र प्रताप सिंह, अरविंद सिंह (कल्लू), संदीप सिंह, सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विधवा भाभी से देवर ने की मारपीट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक विधवा महिला के साथ उसके ही परिवार ने क्रूरता की सीमाएं पार कर दीं। थाना गढ़िया रंगीन क्षेत्र की रहने वाली महिला अपने चार बच्चों के साथ ससुराल में रह रही है। आरोप है कि पति की मौत के बाद संपत्ति के बंटवारे को लेकर परिवार उसे प्रताड़ित कर रहा है। 20 अप्रैल की सुबह जब महिला अपने कमरे में थी, तब उसके देवर, सास और देवरानी ने उसे पकड़ लिया। सास के कहने पर देवर ने लोहे की रॉड से महिला पर हमला कर दिया। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि आरोपियों ने महिला के तीन बच्चों को भी नहीं बख्शा। देवर ने महिला के कपड़े फाड़कर अश्लील हरकतें भी की। पीड़िता ने थाने में शिकायत की। पुलिस ने उसका मेडिकल परीक्षण करवाया है। मंगलवार को वह अपने बच्चों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची

भारत संवाद परिवार

1–संरक्षक–भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2–संरक्षक–भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3–संरक्षक–भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4–कला एवं मनोरंजन संपादक
(भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5–उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण
(भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

ट्रम्प प्रशासन के खिलाफ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने केस किया

अमेरिकी सरकार ने 2.2 अरब डॉलर की फंडिंग पर रोक लगाई थी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका की हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यूनिवर्सिटी ने आरोप लगाया है कि ट्रम्प सरकार यूनिवर्सिटी पर राजनीतिक दबाव बनाकर शैक्षणिक कामकाज पर कंट्रोल करना चाहती है। हार्वर्ड ने इसे यूनिवर्सिटी के संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन का आरोप लगाया है। दरअसल ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड की 2.2 अरब डॉलर फंडिंग पर रोक लगा दी है। साथ ही विश्वविद्यालय से यह भी मांग की है कि वह अक्टूबर 2023 के बाद कैंपस में हुई यहूदी विरोधी घटनाओं पर बनी सभी रिपोर्ट और ड्राफ्ट भी सरकार को सौंपे। प्रशासन चाहता है कि इन रिपोर्टों को तैयार करने वाले सभी लोगों के नाम बताए जाएं और उन्हें संघीय अधिकारियों के इंटरव्यू के लिए उपलब्ध कराया जाए। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर्स ने भी 12 अप्रैल को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के खिलाफ मैसाचुसेट्स की

फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट केस दायर किया था। प्रोफेसर्स के दो ग्रुप ने यूनिवर्सिटी फंड को रोकनी की धमकी के खिलाफ यह केस दर्ज किया था। दरअसल उस दौरान ट्रम्प प्रशासन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को मिलने वाले 9 अरब डॉलर के फंड की समीक्षा कर रहा था। हार्वर्ड के प्रोफेसर्स ने हवाला दिया कि ट्रम्प का यह फैसला अमेरिकी संविधान के फर्स्ट अमेंडमेंट (प्रथम संशोधन) का उल्लंघन करता है। प्रोफेसर्स ने आरोप लगाया है कि यूनिवर्सिटी फंड में कटौती करना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। कोर्ट में दायर याचिका में ट्रम्प प्रशासन के फैसले पर रोक लगाने की मांग भी की गई है। हाल ही में ट्रम्प प्रशासन ने हार्वर्ड को एक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में यूनिवर्सिटी को कुछ शर्तें पूरी करने के लिए कहा गया था। ऐसा न करने पर यूनिवर्सिटी की संघीय फंडिंग पर रोक लगाने की धमकी दी गई। इस कदम के पीछे ट्रम्प प्रशासन का दावा था कि हार्वर्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान एंटी-सेमिटिज्म (यहूदियों के खिलाफ नफरत) को रोकने में नाकाम रहे हैं। प्रशासन ने आरोप लगाया कि कैंपस में यहूदी छात्रों और प्रोफेसरों के खिलाफ भेदभाव हो रहा है। यूनिवर्सिटी को मिलने वाली फंडिंग सर्च, स्टूडेंट स्कॉलरशिप, और कई साइंस और मेडिकल प्रोजेक्ट्स के लिए बेहद जरूरी है। गाजा में जारी इजराइल-हमास जंग के खिलाफ पिछले साल अमेरिका की कई यूनिवर्सिटीज में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन हुए थे।

इन प्रदर्शनों में हजारों छात्रों ने हिस्सा लिया था। रिपोर्ट के मुताबिक 1000 से ज्यादा छात्र गिरफ्तार भी हुए। इस दौरान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में छात्रों ने फिलिस्तीनी झंडा फहराया था। यूनिवर्सिटी ने इसे पॉलिसी के खिलाफ बताते हुए छात्रों के खिलाफ एक्शन लेने की बात कही थी। ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 33 अरब रुपए) के अनुदान को रद्द कर दिया था। प्रशासन ने कोलंबिया यूनिवर्सिटी पर भी यहूदी छात्रों के हो रहे उत्पीड़न को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया था।

अमेरिकी शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग, न्याय विभाग और सामान्य सेवा प्रशासन की जॉइंट टास्क फोर्स टु कॉम्बैट एंटी-सेमिटिज्म ने यह कार्रवाई की।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी ज्यूडिशियल बोर्ड ने गाजा को लेकर हुए विरोध-प्रदर्शन के दौरान हैमिल्टन हॉल पर कब्जे में शामिल छात्रों पर सख्त कार्रवाई भी की है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले-भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी

वेंस ने परिवार समेत आमेर फोर्ट देखा; बेटी को गोद में लेकर घूमे

एजेंसी

जयपुर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को जयपुर में एक बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में मेरी पत्नी मुझसे बड़ी सेलिब्रिटी है। मैं कई देशों में गया हूं, पहली बार भारत आया हूं। अन्य देशों में नीरसता लगती है, लेकिन भारत में जीवंतता महसूस होती है। वेंस ने कहा कि मोदी एक टफ नेगोशिएटर हैं और भारत की इंडस्ट्री के लिए लड़ते हैं। यह मैंने कई बार देखा है। इससे पहले वेंस ने मंगलवार सुबह पत्नी उषा, बेटों विवेक, इवान और बेटी मीराबेल के साथ

जयपुर का आमेर किला देखा। वे बेटी को गोद में लेकर घूमते हुए दिखे। वे जयपुर शहर से करीब 10 किमी दूर अरावली की पहाड़ियों पर स्थित आमेर किले में जीप से पहुंचे। आमेर फोर्ट के जलेब चौक पर दो हाथियों (चंदा और पुष्पा) ने मेहमानों का स्वागत किया। लोक कलाकारों ने भी कच्छी घोड़ी, घूमर और कालबेलिया डांस कर उनका वेलकम किया। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने वेंस के परिवार से मुलाकात की। वेंस सेंड स्टोन, संगमरमर और पीले पत्थर से बने आमेर फोर्ट पर करीब डेढ़ घंटे रुके। उन्होंने फोर्ट में दीवान-ए-आम, गणेश पोल और मान सिंह महल देखा। इसके साथ ही वेंस के परिवार ने आमेर महल में स्थित विश्व प्रसिद्ध शीशमहल भी देखा। यह शीशमहल कीमती पत्थर और विदेशी कांच से बना है, सैकड़ों साल पहले इसके लिए बेल्जियम से कांच आयात किए गए थे। वेंस ने बेटी को गोद में लेकर फोर्ट को चारों तरफ से दिखाया। पूरा किला देखने के बाद सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे वेंस सपरिवार आमेर फोर्ट से जयपुर के रामबाग पैलेस पहुंचे। वेंस चार दिन के भारत दौरे पर हैं। सोमवार को वे दिल्ली पहुंचे थे। वे सुबह अक्षरधाम मंदिर गए, शाम को पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद वे कल रात ही जयपुर पहुंच गए। वेंस जयपुर के रामबाग पैलेस में रुके हैं। मंगलवार सुबह करीब 7.30 बजे वे अपने सुइट से बाहर निकले। गार्डन में नंगे पैर वॉक की। इसके बाद परिवार के साथ ब्रेकफास्ट किया।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को होगा

निधन के बाद पोप की पहली तस्वीर सामने आई; ताबूत के पास प्रार्थनाएं की गई

एजेंसी

वेटिकन, कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार 26 अप्रैल को किया जाएगा। जानकारी वेटिकन ने दी है। निधन के बाद उनकी पहली तस्वीर भी जारी की गई है। उनके पार्थिव शरीर को ताबूत में रखा गया है। शव के पास ही धार्मिक नेताओं द्वारा प्रार्थनाएं की गईं। अंतिम संस्कार की तैयारी आज से शुरू होगी। कैथोलिक चर्च के कार्डिनल (पादरी) आज वेटिकन आएंगे। अंतिम संस्कार में दुनियाभर के नेता और आम लोग जुटेंगे। पोप का सोमवार को 88 साल की उम्र में निधन हुआ। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। वेटिकन के मुताबिक पोप का निधन स्ट्रोक और हार्ट फैलियर से हुआ। इटैलियन मीडिया ने भी बताया था कि ब्रेन स्ट्रोक की वजह से पोप के दिमाग में रक्तस्राव हो गया था। अपनी मृत्यु से एक दिन पहले पोप फ्रांसिस ने ईस्टर संडे के लिए मौन आशीर्वाद दिया। उन्होंने एक बयान जारी कर गाजा समेत दुनिया भर में चल रहे संघर्ष पर बात की और शांति की अपील की। पोप के निधन पर भारतीय गृह मंत्रालय ने 3 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पहले दो दिन का राष्ट्रीय शोक 22 और 23 अप्रैल को रहेगा, जबकि तीसरे दिन का राष्ट्रीय शोक अंतिम संस्कार वाले दिन रहेगा। कल रात 11:30 बजे वेटिकन में पोप का शव ताबूत में रखा गया। उनके वेटिकन स्थित सेंट मार्था निवास पर कार्डिनल केविन जोसेफ फैरेल ने उनका शव ताबूत में रखा। बुधवार को उनका शव सेंट पीटर्स बेसिलिका में रखा जा सकता है। पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार सदियों पुरानी परंपरा के अनुसार होगा। इसमें कई दिनों तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठान होंगे। उनके पार्थिव शरीर को दर्शनों के लिए रखा जाएगा। दुनिया भर से लोग अंतिम संस्कार से पहले उन्हें श्रद्धांजलि दे सकेंगे। पोप फ्रांसिस को वेटिकन में नहीं दफनाया जाएगा। वे एक सदी से भी ज्यादा वक्त में वेटिकन के बाहर दफन होने वाले पहले पोप होंगे। आमतौर पर पोप को वेटिकन सिटी में सेंट पीटर्स बेसिलिका के नीचे गुफाओं में दफनाया जाता है। लेकिन पोप फ्रांसिस को रोम में टाइबर नदी के दूसरी तरफ मौजूद सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका में दफनाया जाएगा। पोप ने सांता मारिया मैगीगोर बेसिलिका में अपने दफन होने का बात का खुलासा दिसंबर 2023 में किया था। उन्होंने बताया था कि वे मैगीगोर बेसिलिका से खास जुड़ाव महसूस करते हैं। वे यहां वर्जिन मैरी के सम्मान में रविवार की सुबह जाते थे। सांता मारिया मैगीगोर में 7 अन्य पोप को भी दफनाया गया है। पोप लियो तेरहवें आखिरी पोप थे जिन्हें वेटिकन से बाहर दफनाया गया था। उनकी मृत्यु 1903 में हुई थी। पिछले कई महीनों से पोप स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें 14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। हालांकि, 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। नए पोप के चयन की प्रक्रिया को पैपल कॉन्क्लेव कहा जाता है। इसका मतलब पोप का चुनाव कराने के लिए कार्डिनल्स की गुप्त बैठक होता है। यह सम्मेलन आम तौर पर पोप का पद खाली होने के 15 से 20 दिन बाद होता है। कार्डिनल्स बड़े पादरियों का एक ग्रुप है।

अगर अमेरिका के दबाव में आए तो... चीन ने दी दुनिया को धमकी

एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप के साथ टैरिफ युद्ध के बीच, चीन ने उन देशों पर जवाबी कार्रवाई करने की धमकी दी, जो अमेरिकी टैरिफ छूट पाने के लिए अमेरिका के साथ अपने खर्च पर व्यापार समझौते करना चाहते हैं। टैरिफ छूट पाने के लिए अमेरिका के साथ विशेष व्यापार सौदे करने से चीन के व्यापारिक संबंध रखने वाले कई देशों को रोकने के लिए एक एहतियाती कदम उठाते हुए, वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने चेतावनी दी कि बीजिंग ऐसे समझौतों का दृढ़ता से विरोध करेगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने एक बयान में ये टिप्पणियां उन रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कीं, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका टैरिफ छूट के बदले में चीन के साथ व्यापार संबंधों को

प्रतिबंधित करने के लिए अन्य देशों पर दबाव बनाने की तैयारी कर रहा है। चीन ने अमेरिका से कारोबारी समझौता करने वाले देशों को चेताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि हम उन देशों का विरोध करते हैं, जो अमेरिका के साथ ऐसे समझौते कर रहे हैं, जिनसे चीन को नुकसान हो सकता है। अगर ऐसे कदम से चीन के हित प्रभावित होते है, तो कठोर जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार है। ऐसी खबरें हैं कि अमेरिका चीन के साथ व्यापार सीमित करने का दबाव बना सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ से जुड़ी धोखाधड़ी के 8 बिंदु गिनाए और चेताया कि जो देश इन्हें

चीन ने अमेरिका से कारोबारी समझौता करने वाले देशों को चेताया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि हम उन देशों का विरोध करते हैं, जो अमेरिका के साथ ऐसे समझौते कर रहे हैं, जिनसे चीन को नुकसान हो सकता है।

लागू करेंगे, उनसे रिश्ते खराब हो सकते हैं। इन बिंदुओं में करसी का मूल्य गिराना शामिल है, जिससे कि उनके निर्यात अमेरिका में टैरिफ के बावजूद प्रतिस्पर्धी रहें, जबकि उनके बाजार में अमेरिकी चीजें महंगी हों। आयात पर वैट, निर्यात पर सब्सिडी देना, दूसरे देश में सामान डंप करना भी इन बिंदुओं में शामिल हैं।

निशिकांत दुबे के खिलाफ युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

भाजपा से उन्हें तुरंत निलंबित करने की मांग

एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस के सदस्यों ने सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि हमारी मांग है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज किया जाए। जिस तरह से उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश का अपमान किया है, भाजपा को उन्हें तुरंत निलंबित करना चाहिए। एक निर्वाचित सांसद के लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना उचित नहीं है। यह देश संविधान के अनुसार चलेगा, आरएसएस के नियमों के अनुसार नहीं।

इससे पहले निशिकांत दुबे की विवादास्पद टिप्पणियों को भाजपा की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा करार देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव हरीश चौधरी ने कहा कि सत्तारूढ़ दल अपनी नाकामियों पर परदा डालने के लिए जान-बूझकर ऐसे विवाद पैदा कर रहा है। चौधरी ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, पहले दुबे न्यायपालिका को लेकर दुर्भाग्यपूर्ण

दिल्ली युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा ने कहा कि हमारी मांग है कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना का मामला दर्ज किया जाए। जिस तरह से उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और भारत के मुख्य न्यायाधीश का अपमान किया है, भाजपा को उन्हें तुरंत निलंबित करना चाहिए।

टिप्पणियां करते हैं। फिर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इन टिप्पणियों से अपनी पार्टी को अलग करते हैं। यह विवाद भाजपा की सोची-समझी रणनीति के तहत पैदा किया गया है ताकि भाजपा की सरकार की नाकामियां छिपाई जा सकें।

कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) पर दो सांसदों द्वारा की गई घृणित टिप्पणियों से निवर्तमान भाजपा अध्यक्ष का दूरी बनाना कोई मायने नहीं रखता। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, भारत के प्रधान न्यायाधीश पर भाजपा के दो सांसदों की ओर से की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों से भाजपा के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा दूरी बनाए जाने का कोई विशेष अर्थ नहीं है।

वक्फ कानून के खिलाफ दिल्ली में एआईएमबीएलबी का बड़ा प्रदर्शन

वक्फ कानून के खिलाफ दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का हल्ला बोल, वक्फ कानून का जमकर विरोध.

वक्फ कानून के विरोध में जनजागरण की तैयारी : एआईएमबीएलबी ने साफ किया कि अगर सरकार पीछे नहीं हटती, तो आंदोलन के अगले चरण में और बड़ा जनजागरण शुरू किया जाएगा. वहीं जमात-ए-इस्लामी हिंद ने सोमवार को एक बयान जारी करते हुए बताया कि मुस्लिम संगठन के प्रतिनिधियों की परिषद ने अपने अध्यक्ष सैयद सदातुल्लाह हुसैनी की अगुवाई में 12-15 अप्रैल के बीच संगठन के मुख्यालय में आयोजित सत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी.

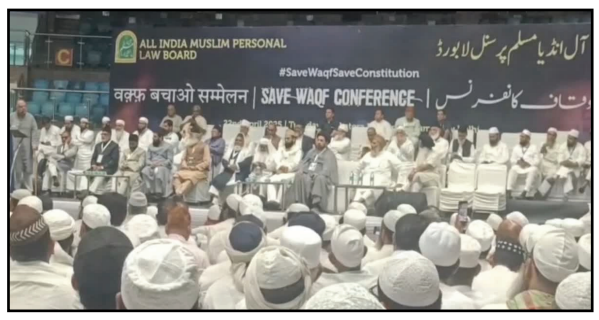

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लाए गए नए वक्फ कानून के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने आज दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रदर्शन कर रहा है. 'वक्फ बचाव अभियान' के तहत तालकटोरा स्टेडियम में 'तहफ्फुज-ए-औकाफ कारवां' (वक्फ की हिफाजत) नाम से इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ है. एआईएमबीएलबी का आरोप है कि यह कानून वक्फ संपत्तियों को खत्म करने और मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता को खत्म करने की साजिश है. ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का प्रदर्शन : इस कार्यक्रम में जमात-ए-इस्लामी हिंद समेत देशभर के मुस्लिम संगठनों के अध्यक्ष और प्रतिनिधि पहुंचे हैं. आयोजन में प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, आरजेडी सांसद मनोज झा, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी भी शामिल हुए हैं. बैठक में वक्फ कानून के खिलाफ आगे की कानून लड़ाई लड़ने को लेकर चर्चा हुई. एआईएमबीएलबी के 'वक्फ बचाव अभियान' का पहला फेज 11 अप्रैल से शुरू हुआ, जो 7 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा. इसमें वक्फ कानून के विरोध में एक करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे, इन हस्ताक्षरों को एकत्रित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सौंप जाएगा. ताकि इस कानून को वापस लिया जाए. इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी.

लोगों से इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने की अपील : इस मौके पर जमात-ए-इस्लामी हिंद ने वक्फ कानून को तुरंत निरस्त करने की मांग की और लोगों से ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के नेतृत्व में चलाए जा रहे अभियान का समर्थन करने की अपील की. इसने लोकतांत्रिक संस्थाओं, नागरिक समाज और बुद्धिजीवियों से संशोधित वक्फ कानून के प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया. परिषद ने उन सांसदों और संगठनों की सराहना की, जिन्होंने इस मुद्दे पर अपने विचार व्यक्त किए हैं.

दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में सेव वक्फ कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अकटकट प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा के किसी व्यक्ति ने संसद में कहा कि इस विशेष मुस्लिम देश में वक्फ नहीं है. मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताना चाहता हूं कि सऊदी अरब की अपनी यात्रा के दौरान उन्हें क्राउन प्रिंस से पूछना चाहिए कि क्या मदीना वक्फ की जमीन पर बना है. वक्फ हर मुस्लिम देश में मौजूद है, चाहे वह लोकतंत्र हो या साम्राज्य.

दिल्ली में गर्मी ने तोड़ा छह साल का रिकॉर्ड, लोगों का घर से निकलना हुआ मुश्किल

दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान भी 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य तापमान से 3.5 डिग्री अधिक है। इससे पहले न्यूनतम तापमान वर्ष 2022 में इस स्तर पर पहुंचा था मगर वर्ष 2019 के बाद ये तापमान सबसे अधिक स्तर पर पहुंचा है। अप्रैल में सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस वर्ष का ये तापमान 3.6 डिग्री अधिक है।

एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है। दिल्ली में गर्मी का प्रकोप लोगों को परेशान करने लगा है। दोपहर में लोगों का घर से बाहर निकलना काफी मुश्किल हो रहा है। मौसम विभाग की मानें तो सोमवार का दिन अप्रैल महीने का बीते छह वर्षों का सबसे गर्म दिन रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में सोमवार को न्यूनतम तापमान भी 26.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। ये सामान्य तापमान से 3.5 डिग्री अधिक है। इससे पहले न्यूनतम तापमान वर्ष 2022 में इस स्तर पर पहुंचा था मगर वर्ष 2019 के बाद ये तापमान सबसे अधिक स्तर पर पहुंचा है। अप्रैल में सोमवार को अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री सेल्सियस रहा था। इस वर्ष का ये तापमान 3.6 डिग्री अधिक है।मौसम विभाग के अधिकारियों की मानें तो आया नगर में अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। रिज में तापमान 41.9 डिग्री, पालम में 41.1 डिग्री, लोधी रोड में 40.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है।

वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर कम नहीं हो रही सियासत

किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर जमकर साधा निशाना

रिजिजू ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हालत उन्होंने पैदा की है। मुख्यमंत्री, कांग्रेस और उनकी पार्टी के सहयोगी, जो भी कहते हैं कि वे संसद द्वारा बनाए गए कानून को नहीं मानेंगे, वे देश के संविधान को नहीं मानते।

एजेंसी

वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर सियासत तेज है। विपक्ष सरकार पर सवाल खड़े कर रहा है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा देश है और इस देश की एक-एक इंच जमीन का सही इस्तेमाल होना चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं होना चाहिए। दुनिया में सबसे ज्यादा जमीन वक्फ संपत्ति के तौर पर भारत में है। 9 लाख 72 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियां भारत में हैं लेकिन इसका इस्तेमाल गरीब मुसलमानों के लिए नहीं हो रहा है। इसका दुरुपयोग, संपत्ति पर

कब्जा करके इसकी लूट, चिंता का विषय है। इसलिए जब हमने भूमि विधेयक में संशोधन किया तो हमारे दो मुख्य उद्देश्य थे - गरीब मुसलमानों को फायदा पहुंचाना और संपत्ति की लूट और दुरुपयोग को रोकना।

रिजिजू ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में जो हालत उन्होंने पैदा की है। मुख्यमंत्री, कांग्रेस और उनकी पार्टी के सहयोगी, जो भी कहते हैं कि वे संसद द्वारा बनाए गए कानून को नहीं मानेंगे, वे देश के संविधान को नहीं मानते। हम 2014 में पहली बार मंत्री बने, हमने अपना सारा जीवन विपक्ष में बैठकर काम किया है, हमने कभी नहीं कहा कि हम संसद के कानून को नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा कि ये लोग जो काम कर रहे हैं उससे देश को बहुत नुकसान होने वाला है और उन्हें इस गलतफहमी में नहीं रहना चाहिए, मुसलमानों में भी अब एक बड़ा वर्ग आकर प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा कर रहा है। हमें ये नहीं कहना चाहिए कि सारे मुसलमान विरोध कर रहे हैं। इस समय आम मुसलमान वक्फ संशोधन कानून का समर्थन कर रहा है और इसका स्वागत कर रहा है केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कई नेता कह रहे हैं कि यह विधेयक संविधान के अनुसार नहीं है और संसद को इसे पारित करने का अधिकार नहीं है।

संक्षेप

नाले पर सीलपट लगाने का विरोध

कलक्ट्रेट में लोगों का प्रदर्शन, 10 फीट गहरे नाले से जान का खतरा

सुलतानपुर, करौंदिया क्षेत्र में एक नाले को लेकर विवाद गहरा गया है। एक सप्ताह पहले नगर पालिका द्वारा नाले की सफाई की गई। सफाई के बाद नाला 10 फुट गहरा हो गया है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। नगर पालिका ने नाले पर सीलपट बिछाने का आदेश दिया है। लेकिन केश कुमारी निषाद नाम की महिला इस काम में बाधा डाल रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केश कुमारी का घर नाले से दूर है। उनका अपना रास्ता सुरक्षित है। फिर भी वह दबंगई दिखाते हुए सीलपट लगवाने से रोक रही हैं। स्थानीय निवासी मधुबाला श्रीवास्तव ने बताया कि उनका घर नाले से सटा हुआ है। पहले नाले में कूड़ा भरा होने से लोग आसानी से आ-जा सकते थे। सफाई के बाद यह खतरनाक हो गया है। कई लोग और पशु नाले में गिर चुके हैं। एक बछड़े की मौत हो चुकी है। एक व्यक्ति के गिरने से उसके दांत टूट गए हैं। छोटे बच्चों के लिए खतरा मोहल्लेवासियों के अनुसार नाला उनका मुख्य रास्ता है। छोटे बच्चों को विशेष खतरा है। यहां तक कि किसी की मृत्यु होने पर शव ले जाने का भी रास्ता नहीं है। केश कुमारी के अलावा पुजारी नाम के एक व्यक्ति ने भी सीलपट लगाने का विरोध किया है। कलक्ट्रेट में प्रदर्शन स्थानीय लोगों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन कर प्रशासन से मांग की है कि उनकी सुरक्षा को देखते हुए जल्द से जल्द नाले पर सीलपट बिछवाया जाए। साथ ही विरोध करने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए।

पेंशनरों में बढ़ा आक्रोश

फाइनेंशियल बिल 2025 से पेंशन नियमों में बदलाव, तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन

सुलतानपुर, सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन और शिक्षक महासंघ ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सिटी मजिस्ट्रेट को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। फाइनेंशियल बिल 2025 के नए प्रावधानों ने पेंशनरों की चिंता बढ़ा दी है। नए नियमों के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 तक सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की पेंशन का पुनरीक्षण नहीं होगा। इससे वेतन और पेंशन पुनरीक्षण अलग-अलग हो जाएंगे। महंगाई भत्ते को लेकर भी पेंशनर नाराज हैं। जहां कर्मचारियों को 1 जुलाई 2024 से महंगाई भत्ता मिला, वहीं पेंशनरों को महंगाई राहत का आदेश विलंब से जारी हुआ। 1 जनवरी से देय 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का आदेश भी 11 अप्रैल को जारी किया गया। आयोग का गठन नहीं साल की शुरूआत में 8वें वेतन आयोग की घोषणा से कर्मचारियों में उत्साह था। सरकार 1 जनवरी 2026 से वेतन-पेंशन पुनरीक्षण की योजना बना रही थी। लेकिन आयोग का गठन न होने से निराशा बढ़ी है। यह हैं प्रमुख मांगें पेंशनर संगठनों की प्रमुख मांगें हैं - फाइनेंशियल बिल 2025 में किए गए पेंशन नियम बदलाव रद्द हों। सेवानिवृत्ति तिथि के आधार पर भेदभाव न हो। आठवें वेतन आयोग में पेंशन पुनरीक्षण शामिल हो।

महिला का हाई वोल्टेज ड्रामा, 45 मिनट कानपुर हाईवे जाम

कार के बोनट पर बैठी रही, पुलिस ने समझाया तो चिल्लाई- मेरा पति मुझे परेशान करता है

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, एक महिला ने सोमवार देर रात बीच सड़क पर हाई वोल्टेज ड्रामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह समझा-बुझाकर उसे शांत कराया। जानकारी के मुताबिक महिला अपने पति के बेवफाई से तंग आकर उसने ऐसा किया। उधर, महिला के हंगामे के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें वह गाड़ियों के बोनट पर बैठकर शोर मचाते दिख रही है। हालांकि महिला की शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई। ये मामला धूमनगंज थाना क्षेत्र के नेहरू पार्क के पास का है। हंगामा शुरू हुआ कानपुर हाईवे पर अचानक एक महिला बीच सड़क पर आकर हंगामा करने लगी। वह सड़क से गुजरने वाले गाड़ियों को रोककर उस पर बैठ गई, फिर शोर मचाने लगी। करीब 45 मिनट तक महिला ने राहगीरों को छकाया। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शांत करने की कोशिश में जुट गई। लेकिन महिला अपने पति पर कार्रवाई की मांग को लेकर अड़ी रही। महिला ने निजी बैंक में कार्यरत अपने पति पर मारपीट व मानसिक प्रताड़ित करने की बात कही। पति पर चोरी-छिपे दूसरी शादी कर वाराणसी में रखने का भी आरोप लगाया। महिला ने थाने में शिकायत की पुलिस ने काफी मान-मनौव्वल के बाद महिला को थाने लेकर पहुंची। महिला की शिकायत पर पुलिस जांच में मामले की जांच में जुट गई। हालांकि उसके हंगामे का वीडियो बनाकर किसी ने सोशल मीडिया पर डाल दिया जो देखते ही देखते वायरल हो गया। इस मामले में थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि महिला ने अपने पति पर मारपीट के अलावा अन्य आरोप लगाए हैं।

हालांकि महिला ने पूर्व में कोई तहरीर नहीं दी थी। महिला की शिकायत पर जांच की जा रही है।

स्मृति पार्क बन गया कूड़ाघर

लोग बोले- बाउंड्रीवाल टूटी, शौचालय क्षतिग्रस्त है; महाकुंभ में भी नहीं सुधरी दशा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, पॉश इलाका है मिंटो रोट। बीएचएस स्कूल के पीछे वाले इस इलाके में स्थित है स्मृति पार्क। यह नगर निगम की फाइलों में यह पार्क गुमनाम सा हो चुका है। तभी तो महाकुंभ के पहले जब नगर निगम शहर के सभी पार्कों के सौंदर्यीकरण व जीर्णोद्धार के काम में जुटी थी तो भी इस पार्क का नाम नहीं आया। आज यह पार्क कम कूड़ाघर ज्यादा लगता है। टूटी- फूटी बाउंड्रीवॉल, चारों तरफ कूड़ा कचरा। टूटा फूटा ओपन जिम.. यह सब कुछ देखकर इस पार्क की दयनीय स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस पार्क के बारे में जानने के लिए दैनिक भास्कर यहां के स्थानीय लोगों से बातचीत करने पहुंची। आइए, जानते हैं क्या कहते हैं स्थानीय लोग। यहां रहने वाले हरिहर सिंह कहते हैं, इस इलाके में बड़ी संख्या में लोग रहते हैं। फ्रंट पर ही पार्क है। आज ही बदहाल है। बाउंड्री वाल टूटी है। अंदर शौचालय तो बने हैं लेकिन क्षतिग्रस्त है। नगर निगम यदि चाहे तो इस पार्क के दिन लौट सकते हैं। इंद्रजीत साहू, बताते हैं कि वर्षों से यह पार्क बदहाल है। दीवार टूट चुकी है। यदि यह पार्क बना दिया जाए तो यहां लोग आकर मार्निंग वाक कर सकते हैं, बच्चे भी इधर उधर खेलते हैं वह भी आकर यहां खेल सकते हैं। निखिल केसरवानी बताते हैं कि स्मार्ट सिटी के तहत इस पार्क में ओपन एयर जिम बनाया गया था लेकिन देखरेख न होने से सब टूटा पड़ा है।

दरअसल, इस पार्क की जमीन पर बूचड़खाना बनाए जाने की तैयारी थी लेकिन जब इसकी जानकारी हुई थी तो लोगों ने तत्कालीन शिक्षा मंत्री नरेंद्र सिंह गौर से मिलकर यह बताई तो यहां पार्क विकसित किया गया। वहीं, इस संबंध में प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी कहते हैं कि महाकुंभ के पहले शहर के पार्कों को सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया लेकिन यह पार्क छूट गया। इस पार्क को जल्द ही सुधारा जाएगा।

लाल अंकुर त्रिपाठी ने किया कमाल

यूपीएससी में हासिल की 50वीं रैंक, क्षेत्र में जश्न का माहौल

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम में अमेठी जिले को बड़ी सफलता मिली है। जगदीशपुर विधानसभा के ग्राम पंचायत कचनाव के अंकुर त्रिपाठी ने देशभर में 50वीं रैंक हासिल की है। इस उपलब्धि के बाद पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। ग्रामीण ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मना रहे हैं। लोग बधाई देने के लिए अंकुर के घर पहुंच रहे हैं। मिठाइयां बांटी जा रही हैं। अंकुर ने प्रारंभिक परीक्षा से लेकर इंटरव्यू तक शानदार प्रदर्शन किया। उनकी इस कामयाबी से क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। अब वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में शामिल होंगे। मीडिया से बातचीत में अंकुर ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत और अनुशासन से ही यह मुकाम हासिल हुआ है। जिले के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अंकुर को बधाई दी है। उनका कहना है कि यह सफलता पूरे जिले के लिए गर्व की बात है।

यूपीएससी में सुल्तानपुर से चार का सिलेक्शन

दिशा, शुभम, अनुराग और गौरव ने किया जिले का नाम रोशन, परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, चार होनहार युवाओं ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। कुड़वार थाना क्षेत्र के ऊंच गांव की दिशा द्विवेदी, अखंडनगर के हरपुर के शुभम मिश्रा और राहुलनगर ताजुद्दीनपुर के गौरव पटेल व जयसिंहपुर के गौहनिया ने यह उपलब्धि हासिल की है। अनुराग को मिली 651वीं रैंक उधर मोतिगरपुर क्षेत्र के होनहार अनुराग रंजन वत्स ने यूपीएससी 2024 में 651वीं रैंक हासिल किया है। अनुराग मूल रूप से कोतवाली कादीपुर क्षेत्र के घूरीपुर गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में कोतवाली जयसिंहपुर के गौहनिया गांव में रहते हैं। उनके पिता मैदान सिंह बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक से चीफ अकाउंटेंट के पद से सेवानिवृत्त हैं। माता कंचन सिंह गृहणी होने के साथ आंगनबाड़ी कार्यकत्री के रूप में कार्यरत हैं। चार बहन-भाइयों में सबसे छोटे अनुराग की तीनों बहनें प्रतिष्ठित कंपनियों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। अनुराग ने राज मोंटसरी हाईस्कूल सेमरी से प्रारंभिक शिक्षा पूरी की। इंटरमीडिएट ग्राम भारती परितोष अमेठी से करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय से बीएससी और एमसीसी गणित में की। यूपीएससी की तैयारी के लिए उन्होंने हिंदी विषय से दोबारा स्नातक किया। इससे पहले अनुराग तीन बार यूपीएससी की परीक्षा में सफल रहे। 2019 में असिस्टेंट कमांडेंट बने और 14 जनवरी 2024 को सेवा में शामिल हुए। लेकिन यूपीएससी 2024 के इंटरव्यू की तैयारी के लिए 15 फरवरी 2024 को यह नौकरी छोड़ दी। शुभम मिश्रा ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में 333वीं रैंक हासिल की है। आईआईटी दिल्ली से बीटेक करने वाले शुभम पहले भी 2022 में 688वीं रैंक के साथ आईडीएएस में चयनित हुए थे।

हज यात्रियों का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण

97 हाजियों को लगाई गई मेनिंगोकोकल और इन्फ्लूएंजा वैक्सीन, मौलाना बोले-पवित्र मन से करें हज यात्रा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, हज यात्रियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण कैंप का आयोजन किया गया। यह कैंप जाम-ए-अरबिया खैराबाद और जाम-ए-इस्लामिया खैराबाद में आयोजित हुआ। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण और सीओ सिटी प्रशांत सिंह ने कैंप का उद्घाटन किया। कैंप में कुल 97 हज यात्रियों का टीकाकरण किया गया। यात्रियों को क्वाड्रिवेलेंट मेनिंगोकोकल मेनिनजाइटिस, सीजनल इन्फ्लूएंजा और पोलियो वैक्सीन दी गई। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. संजय गुप्ता ने कैंप का संचालन किया। कैंप में विभिन्न चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की टीम मौजूद रही। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लाल जी और डॉ. हरेंद्र वरुण ने कैंप का निरीक्षण किया। मौलाना मोहम्मद वारसी ने हज यात्रियों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हज यात्रा में प्रति व्यक्ति लगभग चार लाख रुपए का खर्च आता है। उन्होंने यात्रियों को सलाह दी कि वे अपने सामान पर नाम-पता अवश्य लिखें।

अनुराग कश्यप के खिलाफ ब्राह्मण समाज में रोष

मथुरा में साधु-संतों ने डीएम और एसपी को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, फिल्म निमार्ता अनुराग कश्यप के ब्राह्मणों पर दिए गए आपत्तिजनक बयान का विरोध तेज हो गया है। वृंदावन से आए ब्राह्मण समाज के लोगों और साधु-संतों ने जिलाधिकारी और एसपी को ज्ञापन सौंपा है। प्रसिद्ध कथावाचक मृदुल कृष्ण शास्त्री ने कहा कि अनुराग कश्यप ने अपनी जुवान के माध्यम से ब्राह्मणों का अपमान किया है। उन्होंने फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। साथ ही कहा कि ऐसे लोगों को देश से बाहर कर देना चाहिए। वृंदावन से आए संतों का कहना है कि यह केवल ब्राह्मणों की नहीं, बल्कि सनातन धर्म की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म में किसी का भी अपमान करना गलत है। संतों ने अनुराग कश्यप की भाषा को पूरी तरह से अनुचित बताया है। ब्राह्मण समाज ने चेतावनी दी है कि जब तक अनुराग कश्यप के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक देश भर का ब्राह्मण समाज और सनातन धर्म के लोग चुप नहीं बैठेंगे। वहीं ब्राह्मण समाज का गुस्सा अनुराग कश्यप के खिलाफ और तेजी से बढ़ता जा रहा है ब्राह्मणों ने कहा कि लगातार फिल्म निमार्ता के खिलाफ प्रदर्शन और आंदोलन करते रहेंगे । उन्होंने मथुरा के एसएसपी और जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की है।

दलित युवक की हत्या:बांके से गला काटा

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा- दलितों को खत्म करना चाहती है भाजपा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, जामो थाना क्षेत्र में एक दलित युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। कल्याणपुर अल्प का पुरवा गांव में मुर्गी फार्म के केयरटेकर शिवम कोरी की सोमवार शाम को बांके से गला काटकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही एसपी सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने स्थानीय टीम और एसओजी को जांच में लगाया। देर रात पुलिस ने दो नामजद आरोपी मान सिंह और विकास यादव को गिरफ्तार कर लिया। दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। घटनास्थल से शराब की बोतलें और बियर के केन बरामद हुए हैं। अपर पुलिस अधीक्षक हरेंद्र कुमार ने बताया कि शिवम को गंभीर हालत में पहले अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पहुंचे मृतक के घर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मृतक के घर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया। प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा- भाजपा केवल फोटो शूट करवाने, अपनी मार्केटिंग और लोगों को बरगलाने के लिए दलित सम्मेलन कर रही है। प्रदेश के कई जिलो में दलितों की हत्या कर दी गई। अजय राय ने कहा- भाजपा बाबा साहब का कर रही अपमान अब अमेठी में एक युवक की निर्मम हत्या की गई है। ये दलितों का सम्मान नहीं बाबा साहब का अपमान किया जा रहा है। यह भाजपा सरकार बताए कि उनके शासन में दलितों की हत्या रेप जैसी वारदात क्यों हो रही है। दलितों की हत्या कर उन्हें समाप्त करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा- परिवार ने पहले बताया था कि जिन लोगों ने इस कांड को अंजाम दिया है, उन्होंने दो-तीन महीने पहले भी पूरे परिवार पर हमला किया था। इसकी शिकायत पुलिस में की गई थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अगर पुलिस उस समय चेत गई होती तो इतनी बड़ी घटना न होती। यह घटना पूरी तरीके से पुलिस की लापरवाही का कारण है।

किशोर के साथ 22 साल की विवाहिता फरार

रोरावर का मामला, एक साल पहले हुई थी युवती की शादी; थाने पहुंचा परिवार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़, सास-दामाद के बाद अब एक नया मामला सामने आया है। 22 साल की विवाहिता 14 साल के एक किशोर के साथ घर से फरार हो गई। दोनों के बीच काफी समय से बातचीत चल रही थी। दोनों सोमवार से गायब हैं। दोनों जब घर से गायब हुए तो उनके परिवार के लोगों ने उनकी खोजबीन शुरू कर दी। काफी ढूंढ़ने के बाद जब दोनों का पता नहीं चला तो फिर परिवार के लोग मंगलवार को रोरावर थाने पहुंचे हैं और पुलिस को लिखित शिकायत दी है। वहीं परिवार की शिकायत मिलने के बाद अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। किशोर और विवाहिता दोनों ही मुस्लिम समाज से हैं। रोरावर थाना क्षेत्र के एक ही मुहल्ले में दोनों के घर हैं। जिसके कारण दोनों का आपस में परिचय है। बताया जा रहा है कि युवती का एक साल पहले निकाह हुआ था, लेकिन वह बीते काफी दिनों से मायके में ही है। मायके में रहने के दौरान उसकी पड़ोस में ही रहने वाले एक 14 साल के किशोर से बातचीत हो रही थी। लेकिन परिवार के लोगों ने यह कभी नहीं सोचा था कि दोनों ऐसा कदम उठाएंगे और घर से फरार हो जाएंगे। दोनों के गायब होने के बाद अब परिवार के लोग रिश्तेदारी और परिचितों में उनका पता लगाने में जुटे हैं। साथ ही थाने पहुंचकर पुलिस से मदद मांगी है।

हनुमान भक्त बंदर की तेरहवीं पर विशेष आयोजन

रामनगर में 27 अप्रैल को होगा सुंदरकांड पाठ और भंडारा, विधिवत किया गया अंतिम संस्कार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, मुसाफिरखाना स्थित रामनगर में एक अनोखा धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। एक बंदर की मृत्यु के बाद उसकी तेरहवीं का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। रामनगर नयाकोट में 27 अप्रैल को विशेष धार्मिक कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर सुंदरकांड का पाठ कराया जाएगा। साथ ही शांति भोज यानी भंडारे का आयोजन भी होगा। कार्यक्रम में आने वाले सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा।स्थानीय निवासी मोहित गुप्ता, आकाश और राहुल ने बताया कि बंदर का अंतिम संस्कार पूरी धार्मिक विधि-विधान के साथ किया गया था। बंदर की मृत्यु के 13 दिन बाद यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बंदर के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए इस कार्यक्रम की योजना बनाई है।

मंडी समिति जायस में विकास कार्यों की बौछार

कृषि मंत्री ने 11 सड़कों का किया लोकार्पण, 19 अग्निपीड़ित किसानों को दी आर्थिक मदद

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, उत्तर प्रदेश के कृषि राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को मंडी समिति जायस का दौरा किया।

उन्होंने यहां कई विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मंडी समिति जायस क्षेत्र में 349.21 लाख की लागत से 4.8 किलोमीटर की चार सड़कों का निर्माण होगा। एक सड़क की मरम्मत 27.75 लाख में होगी। मंडी समिति जाफरगंज में 68 लाख की लागत से 5.10 किलोमीटर लंबी तीन सड़कों का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री ने 19 अग्निपीड़ित किसानों को आर्थिक सहायता के चेक वितरित किए। साथ ही 7 उन्नतिशील किसानों को प्रमाण पत्र भी दिए। उन्होंने किसानों से पारंपरिक खेती छोड़कर फूल, केला, बेर और शिमला मिर्च जैसी फसलों की खेती करने का आग्रह किया। मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार युवाओं को स्वरोजगार के लिए अधिक से अधिक अनुदान और सब्सिडी देगी। पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमेश कुमार सिंह ने मंडी समिति जायस के प्रशासनिक भवन के निर्माण की मांग रखी। मंत्री ने इसके लिए प्रस्ताव और एस्टीमेट मांगा है। कार्यक्रम में उपनिदेशक प्रशासन मंडी परिषद अयोध्या मंडल इरा प्रजेत, एसडीएम तिलोई अमित कुमार सिंह समेत कई अधिकारी और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग, कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० -A-544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित । संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय- 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक-जगन्नाथ तिवारी